CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-75
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर गुरुवार, 20 जून 2024

आज का विचार

रिश्ता कोई भी हो झगड़ा होता ही है,, झगड़ा करके जो भी रिश्ता ना टूटे बस वहीं अपना होता है....!!

सिंगल कॉलम

67 साल का बूढ़ा बनकर कनाडा जा रहा था 24 साल का शख्स

नई दिल्ली। प्रोफाइलिंग और बिवेहियर डिटेक्शन के आधार पर दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर तैनात सीआईएसएफ के जवानों ने टर्मिनल-3 के चेक-इन एरिया में एक यात्री को पूछताछ के लिये रोका। पूछताछ करने पर उसने अपनी पहचान रशविंदर सिंह सहोता बताई। जिनकी उम्र लगभग 67 वर्ष निकली। जो एयर कनाडा की उड़ान से रात 10.50 पर दिल्ली से कनाडा जा रहा था।उसके पासपोर्ट की जांच करने पर पाया कि उसकी उम्र पासपोर्ट में दी गयी उम्र से काफी कम लग रहा है। उसकी आवाज और स्किन भी जवान व्यक्ति जैसी थी और उसकी उम्र पासपोर्ट में दिए गए विवरण से मेल नहीं खा रही थी। गहनता से देखने पर पता चला की यात्री ने अपने बाल और दाढ़ी को सफेद रंग से रंगा हुआ था और बूढ़ा दिखने के लिए चश्मा भी पहना हुआ था।67 साल बताई उम्र निकली 24इन संदेहों के आधार पर उसे गहन तलाशी के लिए डिपार्चर एरिया में जांच के लिए ले जाया गया। उसके मोबाइल की जांच के दौरान, एक अन्य पासपोर्ट की सॉफ्ट कॉपी मिली। जिसके अनुसार पासपोर्ट पर नाम गुरु सेवक सिंह, उम्र 24 वर्ष दर्ज थी। आगे की पूछताछ में फिर उस यात्री ने स्वीकार किया कि उसका असली नाम गुरु सेवक सिंह ही है और वह 24 वर्ष का है। वह 67 वर्षीय रशविंदर सिंह सहोता के नाम से जारी पासपोर्ट पर यात्रा कर रहा है।

आरोपी को किया गया गिरफ्तार

सीआईएसएफ के सहायक महानिरीक्षक और जनसंपर्क अधिकारी अपूर्व पांडे ने बताया की क्योंकि मामला जाली पासपोर्ट का निकला इसलिए यात्री को उसके सामान के साथ हिरासत में लेकर कानूनी कार्रवाई के लिए आईजीआई एयरपोर्ट पुलिस को सौंप दिया गया। सीआईएसएफ कर्मियों की सतर्कता और सुझबुझ के कारण यात्री को पकड़ा जा सका और डॉक्यूमेंट के संभावित दुरुपयोग को रोका जा सका।

नीट परीक्षा मामले में कांग्रेस का कल देशभर में करेगी प्रदर्शन

नई दिल्ली। कांग्रेस पार्टी ने बुधवार घोषणा की है कि नेशनल एलिजिबिलटी कम एंट्रेंस टेस्ट कंट्रोवर्सी को लेकर देशभर में प्रदर्शन करेगी। इसके अलावा पार्टी ने अपनी स्टेट यूनिट्स को भी शुक्रवार को धरना प्रदर्शन करने के निर्देश दिए, जिसमें स्टूडेंट्स को न्याय देने की मांग की गई। कांग्रेस ने प्रदेश कांग्रेस समिति को पत्र लिखा है। कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी के सी वेनुगोपाल ने बुधवार को कहा कि इस समय नीट यूजी को कई शिकायतों और चिंताओं को दूर करने की तत्काल जरूरत है। पत्र में कहा गया है कि जैसा कि आप जानते हैं, नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने 4 जून 2024 को एनईईटी-यूजी 2024 के परिणाम जारी किए थे। कुछ उम्मीदवारों के बढ़े हुए अंकों के बाद अनियमितताओं और पेपर लीक के आरोपों के कारण नीट रिजल्ट खराब हुआ है। उन्होंने कहा कि बढ़े हुए अंकों और अनियमितताओं से स्टूडेंट्स परेशान हैं और ग्रेस मार्क्स देना संदेह पैदा करता है। बिहार, गुजरात और हरियाणा में की गई गिरफ्तारियों से साफ पता लग रहा है भ्रष्टाचार हुआ है, जिससे भाजपा शासित राज्यों में कदाचार के पैटर्न का पता चलता है। उन्होंने यह भी कहा कि सुप्रीम कोर्ट भी इस मामले की गंभीरता को बता चुका है और सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि (नीट-यूजी) 2024 परीक्षा के आयोजन में किसी की ओर से 0.001 फीसदी की भी लापरवाही हुई है, तो उससे पूरी सख्ती से निपटा जाएगा। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि कल्पना कीजिए यदि कोई फर्जीवाड़ा करके डॉक्टर बनता है तो वह समाज के लिए कितना खतरनाक होगा। यह विरोध प्रदर्शन सोमवार से शुरू हो रहे नए लोकसभा के पहले सत्र से कुछ दिन पहले होगा। विपक्षी संसद इस मुद्दे को उठाने के लिए पूरी तरह तैयार है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और शीर्ष नेता राहुल गांधी पहले ही इस मुद्दे पर सरकार से सवाल कर चुके हैं।

ओएमआर शीट गलत भरने वाला सिविल सेवा के लायक नहीं

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस डा. एसएन पाठक की अदालत ने जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में प्रार्थी द्वारा ओएमआर शीट में गलत रोल नंबर भरने के मामले में फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि ओएमआर शीट भरने में गलती करने वाला सिविल सेवा के लायक नहीं है। ऐसा करना बड़ी गलती मानी जाएगा। अदालत प्रार्थी को राहत नहीं दे सकती है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने 14 जून को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। जेपीएससी सिविल सेवा की मुख्य परीक्षा 22 जून को निर्धारित है। इस संबंध में मयंक कुमार सिंह ने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान प्रार्थी की ओर से कहा गया कि जेपीएससी ने सिविल सेवा परीक्षा के लिए विज्ञापन जारी किया है। जिसकी प्रारंभिक परीक्षा में वे भी शामिल हुए थे। उन्होंने गलती से ओएमआर शीट में रोल नंबर भरने में त्रुटि कर दी है।

तमिलनाडु में जहरीली शराब से 29 की मौत

60 बीमार, डीएम का ट्रांसफर, एसपी सस्पेंड

तमिलनाडु के कल्लाकुरिची जिले में जहरीली शराब पीने से बुधवार रात 29 लोगों की मौत हो गई। 60 से ज्यादा लोग बीमार हैं। इन लोगों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया। राज्य सरकार ने घटना की जांच CB-CID को सौंप दी है। जिम्मेदार अफसरों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया गया है। निषेध शाखा के 9 पुलिसकर्मी सस्पेंड कर दिए गए हैं। जिले के कलेक्टर का ट्रांसफर कर दिया है। साथ ही सरकार ने एसपी का सस्पेंशन ऑर्डर जारी किया है। पुलिस ने इस मामले में एक व्यक्ति के. कन्नुकुट्टी (49) को गिरफ्तार किया है, जिसके पास से लगभग 200 लीटर जहरीली शराब बरामद हुई है। इसमें मेथनॉल मिला हुआ था। इस मेथनॉल की वजह से शराब जहरीला हो गया था। बता दें कि तमिलनाडु में जहरीली शराब से कई बार लोगों की मौत हो चुकी है। बीते साल मई में विलुपुरम जिले में इसी तरह के मेथनॉल मिक्सड शराब पीने से 12 लोगों की मौत हो गई थी।

क्या है मामला, कब हुई जहरीली शराब से मौतें

जहरीली शराब पीकर मरने वाले लोग कल्लाकुरिची जिले के करुणापुरम के रहने वाले हैं। इन लोगों ने 18 जून को पैकेट में बिकने वाली शराब पी थी। इस शराब का सेवन करने वाले ज्यादातर दिहाड़ी मजदूर थे। शराब पीने के तकरीब दो से तीन घंटे बाद इन लोगों को दस्त, उल्टी, पेट दर्द और आंखों में जलन होने लगी थी। इसके बाद इन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के दौरान गुरुवार सुबह तक एक-एक कर 29 लोगों ने दम तोड़ दिया।

अस्पताल में भर्ती मरीजों की स्थिति

जहरीली शराब की वजह से बीमार पड़ने वाले 20 से ज्यादा लोगों को कल्लाकुरिची मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, 18 लोगों को पुडुचेरी JIPMER और 6 लोगों को सेलम अस्पताल रेफर किया गया है। कल्लाकुरिची में 12 एंबुलेंस तैनात हैं। पुलिस के मुताबिक, मृतकों का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। सरकार ने डॉक्टरों को सभी बीमार लोगों के समुचित इलाज के निर्देश दिए हैं।

सीएम स्टालिन ने घटना पर जताया दुख

मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा, कल्लाकुरिची में जहरीली शराब पीने से लोगों की मौत की खबर सुनकर मैं हैरान और आहत हूं। जहरीली शराब बेचने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया गया। सीएम ने आश्वासन दिया है कि जहरीली शराब की बिक्री रोकने में नाकाम रहने वाले सभी अफसरों के खिलाफ एक्शन लिया जाएगा। गुरुवार सुबह तक सरकार की ओर से मुआवजे का ऐलान नहीं किया गया था।

डिसइन्फो लैब का चौंकाने वाला खुलासा...

लोकसभा चुनाव में सात समंदर पार से हुई थी साजिश

नई दिल्ली। भारत में आम चुनावों के दौरान विदेशी हस्तक्षेप का दावा करने वाली संस्था डिसइन्फो लैब ने एक बार फिर चुनावों में हस्तक्षेप को लेकर बड़ा दावा किया है। दावा किया गया है कि बड़ी शक्तियों ने भारत में लोकसभा चुनावों में हस्तक्षेप करने के लिए छोटी शक्तियों को मदद मुहैया कराई। यह एक ऐसा जाल है जिसे न केवल विदेशों में बल्कि भारत में भी बुना गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत एक उभरती हुई आर्थिक और सामरिक शक्ति है। भारत की विदेश नीतियां वैश्विक गतिशीलता को एक नया आकार देती हैं। रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्धों के बीच भारत ने एक अतुलनीय विदेश नीति का प्रदर्शन किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके कारण वैश्विक मीडिया ने भारत में आम चुनावों पर नजर रखी।

डिसइन्फो लैब का दावा है कि जब आम चुनावों के दौरान करोड़ों भारतीय अपना भविष्य तय कर रहे थे। इस दौरान वैश्विक मीडिया का एक वर्ग मतदाताओं के फैसलों को प्रभावित करने के लिए एक भयानक साजिश रच रहा था। दावा किया गया है कि इस योजना को लागू करने के लिए व्यवस्थित तरीके से वित्तपोषण यानी पैसे का भी इंतजाम किया गया था। इसमें न केवल विदेशी बल्कि भारतीय मीडिया भी शामिल था। भारत में आम चुनावों को अलग-अलग तरीकों से प्रभावित करने की कोशिश की गई।

फ्रांसीसी मिडिया पर लगाया यह आरोप रिपोर्ट में डिसइन्फो लैब ने दावा किया है कि कुछ मीडिया संस्थानों के लेखों में एक अलग तरह का पैटर्न देखने को मिला, जिसके चलते यह रिपोर्ट तैयार की गई है। रिपोर्ट में इस बात पर आश्चर्य जताया गया है कि इस दौरान एक खास तरह की कहानी गढ़कर मतदाताओं का ध्यान भटकाने की कोशिश की गई। डिसइन्फो लैब का दावा है कि फ्रांसीसी अखबार ले मोंडे इस तरह की गतिविधियों में शामिल था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि फ्रांसीसी राजनीतिक विशेषज्ञ क्रिस्टोफ जोफ्लेट इन गतिविधियों का केंद्र बिंदु थे। जोफ्लेट के बयानों को भारत में आम चुनावों को प्रभावित करने का आधार बनाया गया। डिसइन्फो लैब ने दावा किया है कि इस खेल में जोफ्लेट अकेले खिलाड़ी नहीं थे।

कहां से आई फंडिंग? डिसइन्फो लैब ने अपनी रिपोर्ट में हेनरी लुइस फाउंडेशन (एचएलएफ) और जॉर्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन (ओएसएफ) का भी जिक्र किया है। बताया गया है कि एचएलएफ और ओएसएफ ने भारत में आम चुनावों को प्रभावित करने के लिए फंडिंग की थी। रिपोर्ट में जिन समूहों और व्यक्तियों के नाम उजागर किए गए हैं, वे फ्रांस और अमेरिका से संचालित किए गए हैं।

सोम ग्रुप की वाइन फैक्ट्री का लाइसेंस निलंबित

- नाबालिग बच्चों से काम कराने के खुलासे के बाद कार्रवाई

रायसेन। रायसेन जिले की सोम ग्रुप की फैक्ट्री में नाबालिग बच्चों से मजदूरी कराने के खुलासे के बाद बुधवार को आबकारी विभाग ने लाइसेंस निलंबित करने की कार्रवाई कर दी। इससे पहले विभाग ने फैक्ट्री संचालक को तीन दिवस में कारण बताओ नोटिस जारी किया था। इसमें फैक्ट्री में नाबालिग बच्चों से काम करने के साथ ही शासन के निदेशों और लाइसेंस की शर्तों के उल्लंघन को लेकर जवाब मांगा गया था। इस पर शराब फैक्ट्री संचालक सोम ग्रुप ने आरोपों को गलत बताते हुए जवाब देने के लिए चार सप्ताह का समय मांगा था। जिसके बाद आबकारी आयुक्त ने फैक्ट्री का लाइसेंस 20 दिवस या श्रम विभाग के प्रतिवेदन प्राप्त होने जो भी बाद में आए तक निलंबित कर दिया। आबकारी विभाग के अनुसार लाइसेंस की शर्तों के अनुसार शराब फैक्ट्री में काम करने वाले कर्मचारियों का पुलिस वेरिफिकेशन कराएं जाना जरूरी है। नाबालिग बच्चों से फैक्ट्री में कार्य कराए जाने से स्पष्ट है कि इस शर्त का उल्लंघन किया गया है। दूसरा शराब फैक्ट्री में 21 वर्ष से कम आयु/पागल को परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। रायसेन जिले की कलेक्टर की रिपोर्ट के अनुसार फैक्ट्री में 59 नाबालिग बालक/बालिकाएं कार्य करते पाएं गए। इन पर पहले हो चुकी कार्रवाई इस मामले में रायसेन जिले की सेहतगंज मैसर्स सोम डिस्टलरीज प्राइवेट लिमिटेड के प्रभारी जिला आबकारी अधिकारी कन्हैयालाल अतुलकर, आबकारी विभाग के तीन उप निरीक्षक प्रीति शैलेंद्र उइके, शैफाली वर्मा और मुकेश कुमार को निलंबित किया गया। बच्चों के हाथों में संक्रमण बचपन बचाओ आंदोलन एनजीओ की सूचना पर राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) सोम ग्रुप की रायसेन स्थित शराब फैक्ट्री का निरीक्षण किया था।

अमरवाड़ा सीट से कांग्रेस के प्रत्याशी होंगे धीरनशा इनवाती

बीजेपी के कमलेश शाह से होगा मुकाबला

भोपाल। छिंदवाड़ा के अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने प्रत्याशी तय कर दिया है। धीरनशा इनवाती को उम्मीदवार घोषित किया है। बता दें कि उनका मुकाबला कमलेश शाह से होगा। कमलेश भाजपा के प्रत्याशी हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी गुरुवार को दोपहर 12 बजे कांग्रेस प्रत्याशी धीरनशा इनवाती का नामांकन दाखिल करेंगे। उनके साथ नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंगार भी मौजूद रहेंगे। आपको बता दें कि यह पहला मौका रहेगा, जब पूर्व सीएम कमलनाथ और नकुलनाथ नामांकन में मौजूद नहीं रहेंगे। धीरनशा इनवाती ने सेल्समैन पद से इस्तीफा दे दिया है, लेकिन अभी तक उनका इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है ऐसे में यहां असमंजस की स्थिति देखी जा रही है। बता दें कि दोपहर 12:00 बजे नामांकन दाखिल होगा। इसको लेकर कांग्रेस के द्वारा तैयारी की गई है।

शाह ने नामांकन दाखिल किया इधर, अमरवाड़ा सीट से भाजपा प्रत्याशी कमलेश शाह ने आज मंगलवार को नामांकन कर दिया है। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा समेत अन्य नेता भी मौजूद रहे। भाजपा उम्मीदवार कमलेश शाह इस सीट से लगातार तीन बार विधायक बने हैं। लोकसभा चुनाव के बीच शाह के पार्टी में शामिल होने के समय भाजपा ने उन्हें उपचुनाव में उम्मीदवार बनाने का वादा किया था। पार्टी ने उन्हें उम्मीदवार बनाया भी है। शाह का अमरवाड़ा सीट पर अच्छा प्रभाव है। वहीं, दूसरी तरह नकुलनाथ के छिंदवाड़ा से लोकसभा चुनाव हारने के बाद कांग्रेस के कार्यकर्ता मायूस हैं, इसका फायदा भी पार्टी को मिल सकता है। भाजपा के कई नेता अमरवाड़ा जीतने की रणनीति बना रहे हैं। उसके तहत काम भी किया जा रहा है। ऐसे में पार्टी को उम्मीद है कि शाह चुनाव जीतकर इस सीट पर कमल खिलाएंगे।

नामांकन प्रक्रिया जारी, 10 जुलाई को होंगे चुनाव उपचुनाव के लिए अब एक महीने का भी समय नहीं बचा है। अमरवाड़ा विधानसभा उपचुनाव के लिए चुनाव आयोग ने चुनावी कार्यक्रम घोषित कर दिया है। 21 जून को नामांकन प्रक्रिया शुरू की जाएगी। 24 जून को नामांकन पत्रों की समीक्षा होगी।

तीसरे कार्यकाल में किसानों पर फोकस

मोदी सरकार ने 14 खरीफ फसलों के लिए किया एमएसपी का ऐलान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को 14 खरीफ फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अश्विनी वैष्णव ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा, मंत्रिमंडल ने धान, रागी, बाजरा, ज्वार, मक्का और कपास समेत 14 खरीफ सीजन की फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को मंजूरी दे दी है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का तीसरा कार्यकाल बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि यह किसानों के कल्याण के लिए कई निर्णयों के माध्यम से परिवर्तन के साथ निरंतरता पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि खरीफ सीजन शुरू हो रहा है, किसानों को प्राथमिकता देते हुए 14 फसलों पर एमएसपी कैबिनेट ने अप्रूव किया है। एमएसपी कम से कम 1.5 गुना होनी चाहिए। धान का नया एमएसपी 2300 रूपए किया गया है जिसमें 117 रूपए की बढ़ोतरी हुई है. 2013-14 के दाम 1310 रुपए थे।

किन फसलों पर कितनी एमएसपी अश्विनी वैष्णव ने बताया कि कपास की एमएसपी 7121 रुपए होगी। इसमें 501 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। 2013-14 में यह 3700 रुपए थी। रागी - 4290, मक्का - 2225 रुपए, मूंग -8682, अरहर - 7550, उड़द - 7400 मूंगफली का तेल - 6783 रुपए। इसके साथ ही उन्होंने यहभी कहा कि दो लाख गोडाउन बनाने का काम देश भर में चल रहा है। पहली दो टर्म में इकॉनोमी का बेस बना है। अब उस पर ग्रोथ अच्छा बना है। किसानों पर फोकस है।

इंफ्रास्टक्चर के लिए फैसले केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पोर्ट एंड शिपिंग सेक्टर के लिए फैसला लिया गया है। पालघर के वधावन पोर्ट के लिए 76 हजार 200 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट है। पूरे देश की जितनी क्षमता है उसके बराबर एक अकेली वधावन पोर्ट के लिए तैयार की जाएगी। पोर्ट की गहराई जितनी ज्यादा होगी उस हिसाब से वह महत्वपूर्ण होती है। नेचुरल ड्राफ्ट 20 मीटर है, जो कि काफी अच्छा है, उनके कंसर्न को एड्रेस किया गया है। इस पोर्ट से 12 लाख रोजगार उत्पन्न होगा। मेगा कंटेनर शिप इसमें आएंगे। यह पोर्ट तैयार होने के बाद, दुनिया के टॉप 10 पोर्ट में से एक होगा। मुंबई से इसकी दूरी 150 किमी है।

गौतम अडानी ने की पूर्व पीएम मनमोहन सिंह की जमकर तारीफ

नई दिल्ली। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मित्र माना जाता है। खुद अडानी इस बात को स्वीकार कर चुके हैं, लेकिन अब गौतम अडानी ने पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह की तारीफ की है। उन्होंने कहा कि साल 1991 में घोषित आर्थिक उदारीकरण नीति ने भारत की इंफ्रा सेक्टर की नींव रखी और बाद में यह तरक्की की राह पर आगे बढ़ता चला गया। बता दें कि साल 1991 में मनमोहन सिंह देश के वित्त मंत्री थे। वहीं, साल 2004 से 2014 तक वह देश के प्रधानमंत्री रहे। मुंबई में क्रिसिल के एक कार्यक्रम के दौरान गौतम अडानी ने एयरक्राफ्ट के उदाहरण से इकोनॉमी ग्रोथ के बारे में बताया। उन्होंने कहा- साल 1991 से 2014 के बीच की अवधि नींव रखने और रनवे के निर्माण की थी तो साल 2014 से 2024 तक की अवधि एयरक्राफ्ट के उड़ान भरने की रही।

देश की इकोनॉमी को नई दिशा दी

बतौर वित्तमंत्री मनमोहन सिंह द्वारा घोषित उदारीकरण नीति में बदलाव की प्रशंसा करते हुए गौतम अडानी ने कहा-1991 में तत्कालीन वित्त मंत्री की आर्थिक उदारीकरण नीति की वजह से देश की इकोनॉमी को नई दिशा मिली। लाइसेंस राज के टूटने का मतलब था कि सरकार ने अधिकांश क्षेत्रों के लिए औद्योगिक लाइसेंसिंग को खत्म कर दिया। इसने व्यवसायों को निवेश करने, कीमतें निर्धारित करने या क्षमता निर्माण करने के लिए सरकारी अनुमति प्राप्त करने की अधिकांश जरूरतों को समाप्त कर दिया। अडानी ने कहा कि पिछले दशक में भारत ने इंफ्रा स्ट्रक्चर के क्षेत्र में अहम प्रगति देखी है।

सिंगल कॉलम

14 जुलाई को पौधारोपण कार्यक्रम में इंदौर आ सकते हैं अमित शाह

इंदौर। इंदौर में 14 जुलाई को होने वाले रिकॉर्ड पौधारोपण को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने रेवती रेंज का निरीक्षण किया। मंत्री विजयवर्गीय बताया कि रेवती रेंज में 14 जुलाई को होने जा रहे रिकॉर्ड पौधारोपण कार्यक्रम में पीएम नरेंद्र मोदी वर्चुअली जुड़ेंगे। वहीं गृहमंत्री अमित शाह कार्यक्रम में शामिल होने इंदौर आ सकते हैं।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि कार्यक्रम को लेकर तैयारियां जोरो से चल रही हैं। अभी तक करीब पौने तीन लाख गड्?डे किए जा चुके हैं। 14 जुलाई को 11 लाख पौधा रोपण करने के साथ गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया जाएगा। मंत्री विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर के साथ अब ग्वालियर में भी 11 लाख पौधारोपण किया जाएगा। मंत्री विजयवर्गीय और महापौर भार्गव ने तैयारियों को सराहते हुए सभी संबंधित विभागों और अधिकारियों को समय पर और प्रभावी तरीके से कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। पौधारोपण अभियान का मुख्य उद्देश्य शहर में हरित क्षेत्र का विस्तार करना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। संत प्रेमनंद और प्रदीप मिश्रा के विवाद को लेकर मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इस विषय में मेरी कोई भूमिका नहीं है। यह जानकारी जरुर है कि प्रेमनंद जी ने अपना वीडियो सोशल मीडिया से हटा दिया है।

बेहतर ट्रैफिक और पार्किंग व्यवस्था के लिए हुई बैठक

इंदौर। इंदौर में बुधवार को शहर को बेहतर ट्रैफिक और पार्किंग व्यवस्था को ले यातायात विभाग और राजस्व विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर शहर में यातायात व्यवस्था एक बड़ी चुनौती है। इंदौर को ट्रैफिक में नंबर वन बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस संबंध में शहर के प्रमुख व्यावसायिक संगठनों के साथ मिलकर व्यापारिक क्षेत्रों में पार्किंग की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में गहन चर्चा की गई। जिसमें जेल रोड और उसके आसपास के क्षेत्रों में जिला कोर्ट के पास पार्किंग की व्यवस्था करने और सराफा के लिए खजूरी बाजार में पार्किंग की व्यवस्था करने के सुझाव आए। इससे न केवल बाजार का संचालन सुचारू होगा बल्कि आसपास के क्षेत्रों में ट्रैफिक और पार्किंग की स्थिति भी सुधार सकेगी। बैठक में यह भी सुझाव आया कि व्यापारिक क्षेत्रों में माल लोड और अनलोड करने वाले वाहनों का कार्य रात में किया जाए, ताकि दिन में ट्रैफिक का दबाव कम हो और यातायात व्यवस्था सुगम बनी रहे।

विश्व हिंदू परिषद दुगार्वाहिनी की बहनों ने निकाला शौर्य पथ संचलन

इंदौर। इंदौर में बुधवार को विश्व हिंदू परिषद दुगार्वाहिनी का शौर्य पथ संचलन निकला। चिमनबाग मैदान से पथ संचलन की शुरुआत हुई, जिसमें सैकड़ों की संख्या में दुगार्वाहिनी बहनें शामिल हुई। भारत माता की जय और वंदे मातरम् के जयकारों से पूरा संचलन मार्ग गूंज उठा। प्रशिक्षण वर्ग की बहनों को शस्त्र कला के साथ ही बौद्धिक विकास के प्रशिक्षण के माध्यम से आत्मनिर्भर बनाने का भी प्रशिक्षण दिया गया। संचलन मार्ग में बजरंग दल के कार्यकताओं ने सुरक्षा व्यवस्था एवं ट्रैफिक व्यवस्था संभाली। विश्व हिंदू परिषद के दुर्गा वाहिनी प्रशिक्षण वर्ग का समापन पर 400 से अधिक बहनों ने चिमनबाग से राजवाड़ा तक पथ संचलन निकाला। प्रशिक्षण वर्ग में कई प्रकार के प्रशिक्षण दिए गए, जिसमें बहनें अपने-अपने स्थान पर जाकर शक्तिसाधना केंद्र के माध्यम से अन्य बहनों को खुद की सुरक्षा करना सीखाएगी। प्रान्त संयोजिका ज्योति शर्मा ने बताया कि दुर्गा वाहिनी वर्ग में बहनों को समाज के बीच में जाकर कार्य करना, स्वयं के साथ दूसरों की सुरक्षा करना है। वर्ग में दंड,तलवार, तीर, लक्ष्य भेद एवं कई प्रकार की गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही लव जिहाद जैसी घटनाओं के प्रति भी बहनों को सजक किया गया। संचलन मार्ग पर दुर्गा वाहिनी की बहनों का राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक एवं रहवासी संगठनों ने स्वागत किया। यात्रा मार्ग पर बजरंग दल के कार्यकताओं ने सुरक्षा व्यवस्था एवं ट्रैफिक व्यवस्था संभाल रखी थी। संचलन चिमनबाग से शुरू होकर राजबाड़ा एवं पुन: चिमनबाग मैदान में समापन हुआ। संचलन में प्रांत, विभाग जिला, प्रखंड, खंड एवं मोहल्ला स्तर तक की बहनों ने सहभागिता रही। संचलन में मुख्य रूप से पिंकी दीदी पंवार, प्रांत मंत्री विनोद शर्मा, मालसिंह ठाकुर,आरती जायसवाल आदि उपस्थित रहे।

देर से आकर देर से विदा लेगा मानसून

अक्टूबर-नवंबर तक भीगते रहेंगे लोग

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। जून में इंदौर में प्री-मानसून की बारिश तो हुई, लेकिन इस बार चाल धीमी है। पूरे इंदौर में एक जैसी बारिश के लिए इंतजार करना होगा। मौसम विभाग का मानना है कि इस बार मानसून देरी से आएगा। संभावना है कि 23 जून के बाद ही जोरदार बारिश होगी। मानसून में देरी का असर बाद तक रहेगा और अक्टूबर-नवंबर तक बारिश हो सकती है।

शहर में प्री-मानसून की एक्टिविटी देख लग रहा था कि शहर में जल्द ही बारिश होगी, लेकिन एक-दो दिन की बारिश के बाद इंदौर से बादल रूठ गए। अब गर्मी और उमस से लोग परेशान हो रहे हैं। सुबह और रात के समय तो मौसम में ठंडक रहती है, लेकिन सुबह लगभग 11 बजे बाद से उमस इतनी ज्यादा महसूस हो रही है कि लोग परेशान हैं। बीते करीब चार-पांच दिनों से मौसम का यही मिजाज है।

अभी इतना चल रहा तापमान

बीते चार दिनों में अधिकतम तापमान 37.6 डिग्री दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा है। वहीं, रात का अधिकतम तापमान 26.1 डिग्री रिकॉर्ड हो रहा है। यह भी सामान्य से 2 डिग्री

तक ज्यादा है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले चार-पांच दिनों में तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी, हालांकि उमस बरकरार रह सकती है।

10 साल में 7 बार 20 जून के बाद बारिश

इंदौर में बारिश को लेकर पिछले 10 साल का रिकार्ड देखा जाए तो सात बार ऐसा हुआ है जब 20 जून के बाद ही मानसून सक्रिय हुआ है। इस बार भी मानसून की चाल सुस्त है। जिस तरह से मौसम प्रणालियों में बदलाव हो रहा है और जैसे हालात बने हैं, उस हिसाब से जोरदार बारिश के लिए इंदौर और उसके आसपास के क्षेत्र में 25 जून तक इंतजार करना पड़ सकता है। हालांकि, बंगाल की खाड़ी में मानसून की गतिविधि शुरू हो गई है और अरब सागर से भी नमी आना शुरू हो गई है। जिन सालों में मानसून 20 जून के बाद आया है, उन सालों में उसकी विदाई भी देरी से हुई और बारिश का असर अक्टूबर तक रहा है। पिछले तीन सालों में नवंबर तक भी बारिश होती रही है। अक्टूबर के 31 दिनों से 10-10 दिन तक पानी बरसा है। वर्ष 2023 के जून से इस वर्ष के जून तक में मार्च को छोड़ दें तो हर महीने पानी गिरा है।

मौसम विभाग ने बुधवार को अनुमान जताया कि 21-22 जून से मानसून आगे बढ़ने लगेगा। इससे उत्तर भारत के राज्यों को बड़ी राहत मिलेगी। अनुमान है कि 20 जून से ही पश्चिमी विक्षोभ के चलते मामूली राहत उत्तर भारत के राज्यों को मिलने लगेगी। इसके बाद वीकेंड से राहत में थोड़ा और इजाफा होगा। मौसम विभाग के अधिकारी सुनील कांबले ने कहा कि मुंबई पहुंचने के बाद मानसून की गतिविधि ठहर गई थी। लेकिन अब इसमें धीरे-धीरे गति आ रही है। यह 21 से 22 जून तक तेजी पकड़ेगा।

यह अनुमान चिंता भी बढ़ा रहा

इस बार 12 से 18 जून के दौरान बारिश में कमी आई है। मौसम विभाग का भी कहना है कि जून में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। यह मौसम विभाग के पुराने अनुमान से उलट है, जिसमें उसने इस साल मानसूनी बारिश सामान्य से अधिक रहने की भविष्यवाणी की थी। बता दें कि भारत में खेती के लिहाज से जून और जुलाई के महीने को खेती के लिहाज से अहम माना जाता है। खरीफ की फसल की बुआई के लिए मॉनसूनी बारिश जरूरी होती है।

भाजपा जिला इंदौर की अहम कामकाजी बैठक

अब भाजपा का ध्यान सहकारी चुनाव पर

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। भाजपा कार्यालय पर बुधवार को भाजपा जिला इंदौर की अहम कामकाजी बैठक संभाग प्रभारी राघवेंद्र गौतम, जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा, जिला प्रभारी रायसिंह सेंधव, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य गोपालसिंह चौधरी, कंचनसिंह चौहान, सुभाष चौधरी, देवराजसिंह परिहार, उमानारायण पटेल, ओम परसावदिया, भुवानसिंह पंवार, विष्णुप्रसाद शुक्ला की उपस्थिति में संपन्न हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए संभाग प्रभारी गौतम ने कहा कि लोकसभा चुनाव में हमें अभूतपूर्व विजय प्राप्त हुई है, मध्यप्रदेश की सभी 29 सीटों पर भाजपा की प्रचंड बहुमत से विजय हुई। कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से यह रिकॉर्ड हमने स्थापित किया है। इस रिकॉर्ड जीत का संदेश पूरे देश में गया है कि भाजपा में संगठन का कार्य देखना है, तो मध्यप्रदेश के संगठन की तारीफ पूरे देश में होती है, और मध्यप्रदेश में इंदौर के संगठन की तारीफ होती है। इंदौर लोकसभा को देश में सर्वाधिक मतों से जीते वाली लोकसभा बनी है, यह आपके परिश्रम की पराकाष्ठा से ही संभव हुआ है। सहकारी चुनाव में भी हमें इतिहास रचना है, इसके लिए कार्यकर्ता कमर कस लें। उन्होंने कहा कि 21 जून को योग दिवस पर सभी मंडलों में योग का वृहद कार्यक्रम संगठन स्तर पर करना है, जिसमें आम नागरिकों, सामाजिक, शैक्षणिक, व्यापारिक, एनजीओ जैसे संगठनों की सहभागिता को सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस चुनाव में कांग्रेस ने एक नेरेटिव चलाया कि अगर भाजपा 400 सीटे जीत जाएगी तो संविधान बदल देगी, और आरक्षण समाप्त कर देगी, वास्तव में 25 जून 1975 को कांग्रेस नेत्री इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाकर संविधान और लोकतंत्र को कुचलने का काम किया था। कार्यकर्ता जनता को बताएं कि आपातकाल का काला अध्याय लिखने का काम, लोकतंत्र की हत्या करने का काम कांग्रेस ने किया था। भाजपा जिला अध्यक्ष चिंटू वर्मा

ने कहा कि प्रदेश संगठन की बैठक में इंदौर लोकसभा में ऐतिहासिक विजय पर इंदौर के कार्यकर्ताओं की तारीफ हमारे वरिष्ठ नेताओं ने की है। इंदौर के कार्यकर्ताओं के समर्पण भाव की चर्चा पूरे देश में होती है। कार्यकर्ताओं के बूथ पर परिश्रम के परिणाम स्वरूप यह ऐतिहासिक विजय प्राप्त हुई है। हम राजनैतिक दल के कार्यकर्ता है, इसलिए सहकारिता चुनाव भी हमारे लिए महत्वपूर्ण है, कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र प्रथम के भाव के साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक ऐतिहासिक विजय दिलाई है, उसी भाव के साथ अब सहकारिता चुनाव में भी इंदौर जिले से कांग्रेस मुक्त सहकारी संस्थाओं के लिए जुट जाएं। जिला प्रभारी रायसिंह सेंधव ने कहा कि स्वच्छता में नंबर वन इंदौर ने लोकसभा चुनाव में इंदौर की जनता के विश्वास और कार्यकर्ताओं की मेहनत से देश में नंबर वन वोटों से जीतने का रिकॉर्ड बनाया है। अब पर्यावरण संरक्षण में भी इंदौर को नंबर वन बनाना है। गांव गांव घर घर जाकर एक पौधा मां के नाम लगाने का आह्वान कार्यकर्ता करें, इसे जन आंदोलन बनाए। वरिष्ठ सहकारी नेता उमानारायण पटेल ने सहकारिता चुनाव पर कहा कि ये तकनीकी चुनाव है, सहकारी संस्थाएं किसानों के हित के लिए काम करती है, लेकिन उनका दायरा बहुत सीमित हो गया था, लेकिन केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने सहकारिता अधिनियम में संशोधन किया है, जिसके चलते अब सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों को आत्मनिर्भर बनाया जाएगा, इसलिए ये चुनाव हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

सहकारी प्रकोष्ठ जिला संयोजक भुवानसिंह पंवार ने सहकारी चुनाव की जानकारी देते हुए बताया कि 24 जून से 9 सितंबर तक चार चरणों में चुनाव होना है। ये किसानों की मूलभूत सुविधाओं से जुड़ा चुनाव होता है, भाजपा कृषि को लाभ का धंधा बनाने में जुटी है, इसलिए ये अहम चुनाव है।

बैठक में सुरेशसिंह धनखेड़ी, गुमानसिंह पंवार, मोहनसिंह कछावा, सत्यनारायण आजाद, रामस्वरूप गेहलोत, घनश्याम नारोलिया, अंतर दयाल, भारत सिंह चिमली, वीरेंद्र आंजना, सुभाष पाटीदार, हेमचंद मित्तल, मुकेश जरिया, वरुण पाल, वीना पटेल, सुनैना बियानी, अश्विन पटेल, विनोद जाट, अनुराधा जोशी, लवी गांधी, राजेंद्र सिंह सिसोदिया, माखन गोखले, निलेश उपाध्याय, संगीता भार्गव, लक्ष्मीनारायण रावलिया सहित मंडल अध्यक्ष, मोर्चा अध्यक्ष एवं सहकारिता नेता उपस्थित थे।

परीक्षा देने जा रहे छात्र का पैर फिसला, ट्रेन की चपेट में आने से मौत

सिटी चीफ इंदौर।

हंसते-मुस्कुराते परीक्षा देने जा रहे लोकेंद्र की ट्रेन से कटने से मौत हो गई। इंदौर में रह रहा लोकेंद्र जल्दबाजी में ट्रेन पकड़ने की कोशिश कर रहा था।अचानक पैर फिसल गया और ट्रेन की चपेट में आ गया।बुधवार को उसके शव का एमवाय अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया गया।

जीआरपी पुलिस के मुताबिक

पन्ना जिलें में रहने वाला लोकेंद्र पाठक इंदौर में रहकर पीएससी की तैयारी कर रहा था। 23 जून को उसकी परीक्षा थी और कई दिनों बाद उसे घर जाने का मौका मिला था।लोकेंद्र का परीक्षा केंद्र पन्ना में ही आया था।वह हावड़ा-शिप्रा एक्सप्रेस से पन्ना जाने के लिए प्लेटफार्म-4 पर पहुंच गया था, लेकिन अचानक ट्रेन चल पड़ी। ट्रेन में चढ़ने के दौरान लोकेंद्र का पैर फिसल गया और वह चपेट में आ गया।पुलिस के मुताबिक बैग में मिलें आईकार्ड से उसकी पहचान की और स्वजन को सूचना दी गई। मर्ग कायम कर पुलिस ने शव का पीएम करवा लिया है। श्रीराम नगर पालदा निवासी ललिता ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। स्वजन ने पति हुकुम और उसकी प्रेमिका पर प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस के मुताबिक ललिता की मां मुनबाई ने बताया कि हुकुम कई दिनों तक घर नहीं आता था। वह एक महिला के साथ रहने लगा था। महिला भी ललिता को परेशान करती थी। ललिता की आर्थिक स्थिति खराब हो चुकी थी। उसने पुलिस को भी शिकायत की थी।

पानी की समस्या लेकर पहुंची महिलाएं तो सरपंच बोला, 'मैं तुम्हारा बाप हूं, जो करूंगा, मैं ही करूंगा'

सिटी चीफ इंदौर।

मुख्यालय की ग्राम पंचायत सेगांव के सरपंच की तनाशाही और उग्र स्वाभाव के कारण क्षेत्र की महिला काफी आहत है और दुखी है। इसको लेकर बुधवार को जनपद पंचायत में आवेदन देकर सरपंच पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। ग्राम पंचायत सेगांव के अंतर्गत कंचनपुरा रहवासी इलाके की ज्योति बाई, रिंकू बाई, सुमन बाई, सुनीता बाई, गौराबाई बाई सहित कई महिलाओं ने पानी की समस्या को लेकर पंचायत कार्यालय के लिए अपने घर से निकली।रास्ते में सरपंच ग्राम पंचायत सेगांव ने महिलाओं को रोक कर उनसे पंचायत में न जाने को कहा और बताया कि वहां कोई नहीं है, सिवाय चपरासी के। तुम्हें जो कहना है कहो, जो करूंगा, मैं ही करूंगा, मैं ही तुम सब का बाप हूं। ऐसा कहकर महिलाओं का अपमान किया। महिलाओं ने आरोप लगाया है कि सरपंच के तानाशाहीपूर्ण रवैये से हम काफी दुखी हैं। हम जब भी अपनी समस्या लेकर उनके पास जाते हैं तो सरपंच कहते हैं खरगोन चले जाओ कलेक्टर के पास, किराया-भाड़ा मैं दे दूंगा। तुमसे जो बने कर लो। महिलाओं ने बताया कि हम पिछले दो दशक से पानी की समस्या से जूझ रहे हैं। भीषण गर्मी में घर से डेढ़ से दो किमी दूर पानी ला रहे हैं। हमारे घरों में आज तक नल सुविधा नहीं है और ना ही

पंचायत इस पर ध्यान देती है। सरपंच चुनाव के समय तो वोट लेने के लिए हमें बरगलाने के लिए आ जाते है। परंतु समस्या के संदर्भ में कोई ध्यान नहीं देता और जब सरपंच से बात होती है तो वह महिलाओं का अपमान कर अभद्र व्यवहार करता है। इसको लेकर हमने जनपद सीईओ को एक आवेदन पंचायत इंस्पेक्टर के माध्यम से दिया है। हम चाहते हैं कि सरपंच पर कड़ी कार्रवाई कर पद से पृथक किया जाए। पंचायत इंस्पेक्टर रमेश यादव ने बताया कि महिलाओं ने पानी की समस्याओं को लेकर सरपंच से बात की थी। सरपंच ने उनसे अभद्र व्यवहार किया। ऐसा उन्होंने आवेदन में लिखा है। मामले को संज्ञान में लेकर जिला अधिकारियों का अवगत कराकर उचित कार्रवाई की जाएगी। पानी की समस्या को लेकर पंचायत सचिव नारायण चौधरी को भी फोन लगा कर दो बार बुलाया पर वह उपस्थित नहीं हुए। जल्द ही ग्रामीणों की समस्या दूर कर पंचायत सचिव को भी कारण बताओं नोटिस जारी किया जाएगा।

इंदौर में 14वीं मंजिल से कूदकर छात्रा ने दी थी जान, पिता को घटना पर शक, जानिए पुलिस को बस्ते से क्या मिला

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। शहर की अपोलो डीबी सिटी में मंगलवार सुबह छात्रा अंजिल यामयार ने बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी थी। इस मामले में अंजलि के पिता अमोल यामयार ने घटना पर शक जताया है। उनका मानना है कि बेटी आत्महत्या जैसा कदम नहीं उठा सकती है, मामले की जांच होना चाहिए। इधर पुलिस इस केस में अलग-अलग कड़?यां जोड़कर जांच करने में लगी है। लसूड़िया पुलिस ने टाउनशिप के सीसीटीवी फुटेज जुटाए हैं, लेकिन पिता अमोल को घटना पर शक है। वह कतई मानने को तैयार नहीं हैं कि बेटी ने खुदकुशी की है। उन्होंने कहा कि अंजलि घर में सबसे छोटी थी। परिवार के सभी सदस्य उससे प्यार करते थे। विशाखापट्टनम से आने जैसी छोटी-सी बात पर वह जान नहीं दे सकती। स्वजन ने उस स्थान को देखा, जहां से अंजलि ने छलांग लगाई थी। पिता ने घटनास्थल को देखकर सवाल उठाया कि वह इतनी ऊंचाई से बेटी नहीं कूद सकती है। अमोल ने पुलिस अफसरों से मिलकर सभी बिंदुओं पर जांच करने की मांग की है। इधर अंजलि की मां अर्चना की बुधवार को अचानक तबीयत खराब हो गई। वो बार-

बार बेटी को याद कर बेहोश हो रही थीं। इसके बाद उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया है।

थाने में रखा है अंजलि का बैग, पुलिस ने की जांच

उधर बुधवार को पुलिस स्वजन के बयान नहीं ले पाई है। पुलिस अपोलो डीबी सिटी पहुंची लेकिन स्वजन की मनोस्थिति देखकर लौट आई। पुलिस कड़ियां जोड़ने के लिए पुराने सीसीटीवी फुटेज निकालेगी। अंजलि का बैग थाने में जब्त है। पुलिस कर्मियों ने एक-एक कॉपी, पुस्तकों के पन्ने पलटे लेकिन कुछ नहीं मिला। मामले में अंजलि के टैबलेट की जांच भी जल्द हो सकती है।

पिता और भाई के बयान अलग-अलग

पुलिस ने मंगलवार को अंजलि के भाई आदित्य (11वीं के छात्र) से बात की तो कहा कि वह अंतरमुखी थी। काफी कम बात करती थी। उसे कई बार समझाया भी था। सोमवार को माल घूमने गए लेकिन उसने कुछ नहीं खरीदा। विशाखापट्टनम से आने पर खुश नहीं थी। जबकि पिता अमोल ने कहा कि वह खुश थी। घुल मिलकर रहती थी। पुलिस आज स्वजन से अलग बयान लेगी। अंजलि की पीएम रिपोर्ट अभी तक नहीं मिली है।

सरकार 15 जुलाई तक दोबारा कराएगी सत्यापन

प्रदेश के एक लाख से ज्यादा बुजुर्गों की 600 रुपए की पेंशन बंद

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश के सामाजिक न्याय विभाग ने अलग-अलग पेंशन स्कीम का 1 लाख 17 हजार 603 हितग्राहियों की 600 रुपए की पेंशन बंद कर दी है। अब सरकार इनका दोबारा सत्यापन कराएगी। दरअसल सामाजिक न्याय विभाग की तरफ से एक आदेश जारी किया गया है, जिसमें आधार नंबर से जब नाम, आयु और पता अपडेट किया गया तो संबंधित हितग्राही योजना के लिए अपात्र पाए गए। अभी इनको 60 वर्ष से अधिक की आयु की पुष्टि के प्रमाण पत्र, बीपीएल कार्ड और तीन फोटो के आधार पर पेंशन मिल रही थी। अब आधार अपडेट के बाद यह अपात्र हो गए है। विभाग के आदेश के अनुसार अब संबंधित बुजुर्गों को सभी दस्तावेजों के साथ अब पेंशन के लिए दोबारा आवेदन करना होगा।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग की तरफ से बताया गया कि पेंशन हितग्राहियों का समग्र पोर्टल पर सत्यापन एक सतत् प्रक्रिया है। इसके तहत प्रदेश में 46 लाख 13 हजार 671 हितग्राहियों का ई-केवाईसी पूर्ण किया जा चुका है तथा शेष हितग्राहियों का समग्र पोर्टल पर ई-केवायसी किया जा रहा है। ई-केवायसी में एक लाख 17 हजार 603 हितग्राहियों का दोबारा सत्यापन जिलेवार 15 जुलाई 2024 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। केन्द्र एवं राज्य सरकार की वृद्ध, विधवा, दिव्यांगजन सहित 6 प्रकार की पेंशन योजनाएँ संचालित की जाती हैं, जिनका ऑनलाइन क्रियान्वयन पेंशन पोर्टल के माध्यम से किया जाता है।

मंत्री बोले-किसी की पेंशन बंद नहीं की

वहीं, इस मामले में अब मंत्री नारायण कुशवाह का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ने किसी की पेंशन बंद नहीं की गई है। केवल ई-केवायसी की प्रक्रिया की जा रही है। सभी हितग्राहियों को आधार कार्ड से जोड़ा जा रहा है। इसका प्रदेश के लगभग 85 प्रतिशत हितग्राहियों को जोड़ा जा चुका है। सभी अधिकारियों को गंभीरता से इस कार्यों को करने के निर्देश दिए।

एरियर के साथ मिलेगी पेंशन

विभाग के अधिकारियों ने बताया कि पेंशन स्कीम से बाहर किए गए बुजुर्गों को 86 करोड़ रुपए की पेंशन मिलती थी। प्रदेश में अभी 56.5 लाख पेंशन धारक है, जिन्हें मिलाकर सरकार 340 करोड़ रुपए की पेंशन देती है। विभाग की तरफ से जानकारी दी गई है कि यदि किसी पात्र हितग्राही की पेंशन रूकी है तो सत्यापन के बाद उसे एरियर के साथ राशि जारी की जाएगी।

भाजपा सांसद कविता पाटीदार ने ममता बनर्जी से किया सवाल, मांगा जवाब

बंगाल में ही क्यों होती है चुनाव बाद हिंसा?

सिटी चीफ भोपाल।

पश्चिम बंगाल के प्रवास से लौटकर राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से सवाल किया है कि सिर्फ पश्चिम बंगाल में ही हर चुनाव के बाद हिंसा क्यों होती है? क्यों गरीब कार्यकर्ताओं के घर जलाए जाते हैं और महिलाओं पर अत्याचार किए जाते हैं? कविता पाटीदार त्रिपुरा के पूर्व मुख्यमंत्री व सांसद बिप्लब देब के नेतृत्व वाली भाजपा की उस चार सदस्यीय समिति की सदस्य हैं, जो हाल ही में हिंसाग्रस्त बंगाल के हालातों का जायजा लेकर लौटी है। राज्यसभा सांसद कविता पाटीदार ने कहा है कि हाल ही में भारत के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में लोकसभा चुनाव संपन्न हुए हैं। इसके साथ-साथ तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव भी हुए, लेकिन बंगाल को छोड़कर कहीं भी राजनीतिक हिंसा की कोई घटना नहीं हुई है। बंगाल ही एकमात्र ऐसा राज्य है जो चुनाव के बाद हिंसा की चपेट में है। वहां की भयावह स्थिति को कलकत्ता उच्च न्यायालय ने भी गंभीरता से लिया है और बंगाल में केंद्रीय बलों की तैनाती 21 जून तक बढ़ा दी है। हिंसाग्रस्त बंगाल में हमारे कार्यकर्ता डरे हुए हैं, जनता डरी हुई है। घर और दुकानें जलाई जा रही हैं, महिलाओं के साथ अत्याचार हो रहा है और उनकी एफआईआर भी नहीं लिखी जा रही, जो बहुत गंभीर बात है।

इस तरह की हिंसा लोकतंत्र में अस्वीकार्य

पाटीदार ने कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हिंसा का यह पहला मौका नहीं है। वहां पंचायत चुनाव और 2021 के विधानसभा चुनाव के भी टीएमसी कार्यकर्ताओं और उनके समर्थक गुंडों ने हिंसा का तांडव किया था। वहां भाजपा के कार्यकर्ताओं को चुन-चुनकर मारा गया, उनके घर जलाए गए और महिला कार्यकर्ताओं को अपमानित किया गया था। राजनीतिक प्रतिशोध में इस तरह की हिंसा लोकतंत्र में अस्वीकार्य और संविधान के खिलाफ है। सुश्री पाटीदार ने कहा कि बात-बात पर लोकतंत्र की दुहाई देने वाली ममता बनर्जी अगर लोकतंत्र पर जरा सी भी आस्था रखती हैं, तो उन्हें इस हिंसा की जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से तुरंत इस्तीफा दे देना चाहिए

बजट से पूर्व प्रदेश के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने उद्योग जगत एवं वित्तीय संस्थाओं से जुड़े विशेषज्ञों के साथ किया संवाद

प्रदेश की जनता पर नहीं बढ़ेगा करों का बोझ

सिटी चीफ भोपाल।

अगले महीने मप्र विधानसभा के मानसून सत्र में प्रदेश सरकार अपना पहला बजट पेश करेगी। इस बार बजट सभी वर्गों के हित में होगा। जनता पर कोई बोझ नहीं पड़ेगा। उन्होंने संकेत दिए कि सरकार कोई कर नहीं बढ़ाएगी। कोई भी योजना बंद नहीं होगी। हमें लोगों की वित्तीय साक्षरता पर ध्यान देना होगा।

यह बात उपमुख्यमंत्री वित्त जगदीश देवड़ा ने कही। उन्होंने बजट की तैयारियों के सिलसिले में बुधवार सुबह उद्योग समूह एवं वित्तीय संस्थाओं से जुड़े विशेषज्ञों के साथ संवाद किया। आरसीवीपी नरोन्हा प्रशासन अकादमी के सभागार में आयोजित इस संवाद कार्यक्रम में वित्त मंत्री देवड़ा ने कहा कि रबी फसल आने पर निकासी बढ़ती है और खरीफ में जमा बढ़ता है। मंडियों में ट्रांजेक्शन नकद में अधिक होता है। 55 प्रतिशत नकद में लेन-देन होता है। स्कूल स्तर से ही वित्तीय साक्षरता पर जोर रहे। 75-76 लाख केसीसी है। 12त्न एनपीए है। इससे अगला

लोन प्रभावित होता है। 92 क्लस्टर 23 जिलों में हैं। इसमें समानता होनी चाहिए। सिंचाई के क्षेत्र में हमें अपना निवेश जारी रखना होगा।

सहकारी संस्थाओं को मजबूत करने की मांग

देवड़ा ने कहा कि कांग्रेस के बार-बार प्रदेश के ऊपर कर्ज अधिक होने और अर्थव्यवस्था को लेकर उठाए जाने वाले प्रश्नों पर कहा कि वह बौखला गई है। उसे आत्म चिंतन चाहिए करना चाहिए। कर्ज निर्धारित सीमा के भीतर ही लिया जा रहा है। कोई भी योजना बंद नहीं होगी। सबके लिए बजट प्रविधान होंगे। इस कार्यक्रम के दौरान नाबार्ड के महाप्रबंधक नंदू जे नाइक ने सुझाव दिया। कामन सर्विस सेंटर जिला स्तर पर बनें। कृषि आधारित उघोग को बढ़ावा मिले। सहकारी संस्थाओं को मजबूत करना होगा। जिला सहकारी केंद्रीय बैंकों को मजबूत बनाना होगा। कुछ का प्रबंधन ठीक नहीं है। इनमें प्रोफेशनलिज्म लाना होगा और तकनीक का उपयोग करना होगा।

प्रदेश के शहरों में होने वाले नए निर्माणों और अतिक्रमण पर सैटेलाइट कैमरे से रखी जाएगी नजर

भोपाल में शुरू होगी मप्र की पहली जीआईएस लैब

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश की पहली जीआईएस लैब भोपाल में शुरू होगी। इसके लिए सभी तरह की प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा टेंडर भी जारी कर दिए गए हैं। अब काम शुरू किया जाना है। इस लैब के शुरू होते ही मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों में होने वाले नए निमार्णों पर भोपाल से नजर रखी जाएगी। दरअसल, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा राजस्व और पंजीयन विभाग की मदद से नगरीय निकायों में जियोग्राफिकल इंफॉर्मेशन सिस्टम (जीआईएस) संपत्तियों की मैपिंग करवाई जा रही है। इस मैपिंग के बाद शहरों में जहां भी नया निर्माण होगा, उसकी जानकारी भोपाल में बनाई जा रही लैब से संबंधित शहर के निगमायुक्त के मोबाइल पर पहुंच जाएगी। इसके आधार पर वह जांच करवाकर कार्रवाई कर सकेंगे। इसमें पंजीयन और राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा मदद की जाएगी। अब तक

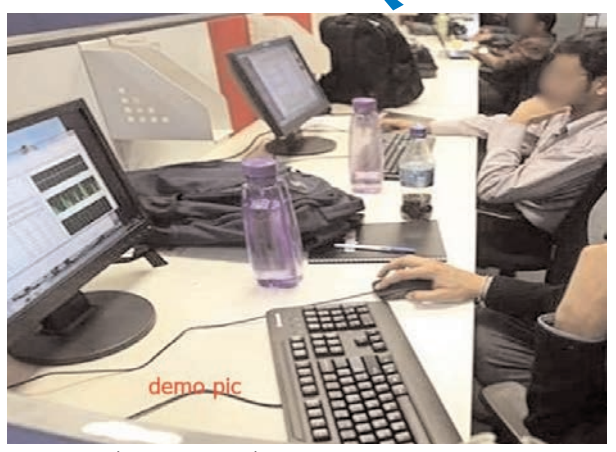

भोपाल, इंदौर, सागर, मुरैना, ग्वालियर सहित अन्य शहरों में संपत्तियों की जीआईएस मैपिंग की जा चुकी है जबकि शेष जिलों में अभी जारी है।

लैब द्वारा ली गई फोटो 15 से 30 दिन में होगी अपडेट

सैटेलाइट के साथ-साथ रिमोट सेंसिंग एजेंसी से मैप डेटा और लाइव फीड लेंगे। इसके लिए एजेंसी से टाइअप होगा। यहां 15 एक्सपर्ट की टीम होगी। लैब शुरू होने पर रिमोट सेंसिंग एजेंसी जैसे ही डेटा देगी, उस आधार पर संबंधित नगर निगम को सूचना भेजकर कार्रवाई करवाई जाएगी। लैब द्वारा ली गई फोटो प्रत्येक 15 से 30 दिन में अपडेट होगी। इस दौरान यदि अवैध निर्माण होता दिखा, तो निगम की टीम मौके पर पहुंचेगी। इसके बाद भी यदि लापरवाही की गई तो जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई होगी।

अभी खाली प्लाट पर दिखते हैं निर्माण

भोपाल में वर्ष 2016-17 में प्रॉपर्टी टैक्स के लिए जीआइएस सर्वे शुरू हुआ था, जो अब भी आधा-अधूरा है। सर्वे के बाद मकानों व बिल्डिंगों का क्षेत्र बढ़ा हुआ दिखाई देता है और खाली भूखंड पर भी निर्माण नजर आते हैं। वर्ष 2016-17 के बाद से कई इमारतें बनी हैं, ऐसे में दोबारा से सर्वे किया जाना जरूरी है।

करवाई जा रही है मैपिंग

नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रथम चरण में डेढ़ दर्जन नगर निगमों के भवनों की जीआइएस मैपिंग कराई गई है। भोपाल, इंदौर, मुरैना, सागर सहित कुछ जिलों में काम पूरा हो चुका है। इस लैब से यह पता चल सकेगा कि निर्माण अवैध या वैध हैं। इसके बाद आगे की कार्रवाई करने में आसानी होगी ।

इनका कहना है

जीआईएस लैब शुरू करने को लेकर प्रक्रिया जारी है। जिलों में मैपिंग का काम भी कराया जा रहा है। इसके लिए टेंडर जारी कर दिए गए हैं। जल्द ही काम शुरू कर दिया जाएगा।

- भरत यादव, आयुक्त, नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग

मदरसों में राष्ट्रगान और ध्वजारोहण की अनिवार्यता जरूरी नहीं

स्कूली शिक्षा मंत्री बोले- इसकी जरूरत नहीं

भोपाल। मध्य प्रदेश में स्कूल चलें हम अभियान के शुभारंभ अवसर पर जनजातीय कार्य मंत्री विजय शाह ने मदरसों समेत निजी स्कूलों में पहली से 12वीं कक्षा तक राष्ट्रगान ओर ध्वजारोहण अनिवार्य करने की मांग की थी। इस पर स्कूली शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह ने कहा कि स्कूल या किसी शिक्षण संस्थान में राष्ट्रगान या झंडावंदन होने से कोई नहीं रोकता। यह प्रार्थना में होता है। इसलिए इसकी अलग से व्यवस्था करने की जरूरत नहीं है। स्कूल चलें हम अभियान के दूसरे दिन मंत्री राव उदय प्रताप सिंह बुधवार को भोपाल के शासकीय कमला नेहरू कन्या उच्चतर माध्यमिक स्कूल में अभिभावक-शिक्षक संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। मंत्री ने कहा कि कमला नेहरू विद्यालय सत्र 2025-26 में सीएम राइज विद्यालय के रूप में करीब 60 करोड़ रुपये की लागत से बनकर तैयार होगा। सिंह ने कहा कि पहले परिजन अपने बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाना पसंद करते थे, क्योंकि वे उन्हें सरकारी स्कूल से बेहतर समझते थे। उन्होंने का कि अब स्कूलों में वोकेशनल कोर्सेस को शामिल करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तय किया कि प्रदेश के बच्चों को बेहतर से बेहतर शिक्षा देंगे। शासकीय स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को बेहतर शिक्षा, बेहतर माहौल, अच्छा कैंपस, मोटिवेशन क्लास मिले। हम इसी दिशा में कार्य कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि नई शिक्षा नीति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बेहतर शिक्षा को लेकर भविष्य का सपना है। यह इस दिशा में किया गया एक दूरदर्शी प्रयास है, जिसके परिणाम हमें शीघ्र ही दिखाई देंगे। प्रदेश के सीएम राइज स्कूल किसी प्राइवेट स्कूल से कम नहीं होंगे, आधुनिक संसाधन इस सीएम राइज स्कूल में मिलें, यह हमारी सरकार ने सुनिश्चित किया है। हमारी सरकार ने तय किया है हमारी बेटियां 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई भी करेंगी और भविष्य में ब्यूटीशियन बन सकें, ऐसा पाठ्यक्रम भी हम तैयार कर रहे हैं। नई शिक्षा नीति में शिक्षा के साथ-साथ अनेक तरह के रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। स्कूली शिक्षा मंत्री ने कहा कि सीएम राइज स्कूल के अभिभावक अब मंच पर आकर अपनी बात रख रहे हैं, यह भी उनके बढ़ते विश्वास को दिखाता है। सीएम राइज स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों की प्रगति कोई रोक नहीं सकता।

भोपाल-इंदौर के लिए बना ग्रीन कोरिडोर, 2 लोगों को मिली नई जिंदगी

भोपाल। राजधानी भोपाल में अंग दान के माध्यम से इंदौर के दो लोगों को नया जीवन मिला। दरअसल, भोपाल से इंदौर के लिए ग्रीन कॉरिडोर बनायागया। जिसमें किरण फाउंडेशन के सहयोग से जिला सागर, तहसील देवरी के निवासी हरि शंकर धिमोले ने अपने अंगों का दान किया। भोपाल स्थित बंसल अस्पताल में इलाज के दौरान हरि शंकर धिमोले का ब्रेन हेमरेज हो गया था। उन्हें सागर से भोपाल भेजा गया और बंसल अस्पताल में भर्ती कर लिया गया। दुःखद बात यह है कि उनका ब्रेन डेड हो गया, जिसकी जानकारी डॉक्टरों ने उनके परिवार को दी। इस दुखद समय में परिवार ने अंगदान करने की इच्छा जताई और इस उद्देश्य से किरण फाउंडेशन से संपर्क किया। किरण फाउंडेशन के सचिव डॉक्टर राकेश भार्गव ने परिवार को अंगदान के बारे में पूरी जानकारी दी और उन्होंने इसमें सहमति जताई। हरि शंकर जी के बेटे विनीत धिमोले ने बताया कि उनके पिताजी शिक्षक थे और समाज में शिक्षा के महत्व को समझाने का कार्य करते थे। उन्हें शिक्षा के प्रति बहुत ज्यादा ध्यान था और उन्होंने अपनी इच्छा दर्ज कराई थी कि वे अंगदान करें, लेकिन अंगदान से संबंधित जानकारी उनके पास नहीं थी। किरण फाउंडेशन के माध्यम से उन्हें सही जानकारी मिली और उन्होंने बिना किसी दिक्कत के किडनी का दान किया।

नर्सिंग घोटाला मामले में व्हिसल ब्लोअर ने सीबीआई को लिखी चिट्ठी

किराए की बिल्डिंग छोड़ भागे कॉलेज संचालक

सिटी चीफ भोपाल।

मध्य प्रदेश में बहुचर्चित नर्सिंग घोटाले में एक के बाद एक नई परतें खुल रही है। घोटाले की जांच कर रहे सीबीआई अफसरों की भ्रष्टाचार में संलिप्तता उजागर होने के बाद अब दिल्ली सीबीआई इस केस की बारीकी से निगरानी कर रही है। इसी बीच घोटाले के व्हिसलब्लोअर रवि परमार ने सीबीआई डायरेक्टर को पत्र लिखा है और कुछ बिंदुओं पर जांच के दौरान विशेष ध्यान देने की गुजारिश की है।

उन्होंने कहा है कि किराए की बिल्डिंग पर नर्सिंग कॉलेज को चला रहे संचालक अब लगातार भाग रहे हैं।

सीबीआई के डायरेक्टर को संबोधित पत्र में व्हिसल ब्लोअर परमार ने लिखा है कि फर्जी नर्सिंग कालेज संचालकों द्वारा एक ही बिल्डिंग में नर्सिंग, पैरामेडिकल, फार्मेसी, डीएड-बीएड और अन्य कोर्स भी संचालित किए जाते हैं निरीक्षण के दौरान इसकी पुष्टि करना अतिआवश्यक हैं। परमार ने पत्र में आगे लिखा है कि फर्जी नर्सिंग कालेज संचालकों द्वारा सीबीआई जांच के बाद व जांच के दौरान प्रदेश के कई नर्सिंग कॉलेज संचालक किराए की बिल्डिंग छोड़कर भाग गए। उन्होंने अपनी कॉलेज की बिल्डिंग बदल ली, लेकिन जिस बिल्डिंग में मध्यप्रदेश नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल ने 2020-21, 2021-22, 2022-23 की मान्यता दी, उसकी जांच भी करना अति आवश्यक हैं। क्योंकि फर्जी नर्सिंग कॉलेज संचालकों ने किराये के भवनों में कॉलेजों की मान्यता लेकर छात्र छात्राओं से करोड़ों रुपए की राशि फीस के रूप में वसूली हैं।

फैकल्टी का सैलरी स्टेटमेंट और अन्य दस्तावेजों की पुष्टि बारीकी से करना जरूरी

उन्होंने सीबीआई डायरेक्टर से कहा कि

फर्जी नर्सिंग कॉलेज संचालकों द्वारा फैकल्टी को सिर्फ निरीक्षण के दौरान दिखाने के लिए ही रखा जाता हैं। नर्सिंग कॉलेजों की फैकल्टी का सैलरी स्टेटमेंट और अन्य दस्तावेजों की पुष्टि बारीकी से करने की आवश्यकता है। साथ ही फर्जी नर्सिंग कालेज संचालकों द्वारा भ्रमित करने के लिए छात्रावास और अस्पताल को कुछ समय के लिए ही किराए पर अनुबंधित किया जाता हैं, जिसकी पुष्टि करना भी आवश्यक है।

किराए पर लाया जाता है लैब का सामान

परमार ने यह भी कहा कि फर्जी नर्सिंग कॉलेज संचालकों द्वारा लैब में किराए पर सामान लाया जाता है। कॉलेजों के लैब में जो भी समान है, उनके बिल की जांच भी करना आवश्यक है। साथ ही फर्जी नर्सिंग कॉलेजों की जांच टीम में नर्सिंग के सबसे ज्यादा अनुभवी नर्सिंग स्टाफ और जो किसी भी तरह की गड़बड़ी में संलिप्त ना हो उसे शामिल किया जाए नर्सिंग कॉलेजों के प्राचार्य, डीन और अन्य किसी की अनुशंसा पर रखे गए लोगों को जांच कमेटी से तत्काल हटाकर सीनियर और अनुभवी नर्सिंग अधिकारीयों शामिल कराया जाए।

सम्पादकीय

विकास के साथ-साथ वायु प्रदूषण की सदी

दुनियाभर में साल 2021 में वायु प्रदूषण के कारण 81 लाख लोगों को अपनी जान गवानी पड़ी। यूनिसेफ के साथ साझेदारी में अमेरिका स्थित एक स्वतंत्र शोध संगठन हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट (एचईआई) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि तीन साल पहले चीन में 21 लाख और भारत में 23 लाख लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण के चलते हुई।

अगर 21वीं सदी को विकास के लिहाज से एशिया की सदी कहा जाता है तो इसे समस्याओं की सदी कहना भी गलत नहीं होगा। खासकर जब बात पर्यावरण, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं की हो तो। आज प्रदूषण की समस्या से भारत जैसे विकासशील देश जूझ रहे हैं। इसकी गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगा सकते हैं कि दुनियाभर में साल 2021 में वायु प्रदूषण के कारण 81 लाख लोगों को अपनी जान गवानी पड़ी। यूनिसेफ के साथ साझेदारी में अमेरिका स्थित एक स्वतंत्र शोध संगठन हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट (एचईआई) ने बुधवार को रिपोर्ट जारी की। इसमें कहा गया कि तीन साल पहले चीन में 21 लाख और भारत में 23 लाख लाख लोगों की मौत वायु प्रदूषण के चलते हुई। वहीं, वायु प्रदूषण का कहर बच्चों पर भी बरपा था। भारत में पांच साल से कम उम्र के 1,69,400 बच्चों की मौत हुई थी। इसके बाद नाइजीरिया में 1,14,100, पाकिस्तान में 68,100, इथोपिया में 31,100 और बांग्लादेश में 19,100 बच्चों की जान गई थी। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि दक्षिण एशिया में जान जानें का प्रमुख कारण वायु प्रदूषण है। इसके बाद हाई ब्लड प्रेशर, आहार और तंबाकू जैसे कारक मौत का कारण बन रहे हैं। साल 2021 में किसी भी पिछले वर्ष के अनुमान की तुलना में वायु प्रदूषण से जुड़ी अधिक मौतें देखी गईं। रिपोर्ट में बताया गया कि पीएम 2.5 और ओजोन से होने वाले वायु प्रदूषण के कारण 2021 में 81 लाख मौतें होने का अनुमान है - जो कुल वैश्विक मौतों का लगभग 12 प्रतिशत है। वैश्विक वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों में से 90 प्रतिशत से अधिक यानी 78 लाख लोगों की जान पीएम 2.5 वायु प्रदूषण के कारण जाती है, जिसमें परिवेशी पीएम 2.5 और घरेलू वायु प्रदूषण भी शामिल है। अधिक आबादी वाले भारत और चीन दोनों मिलकर कुल वैश्विक रोग भार का 54 प्रतिशत हिस्सा हैं। ये सूक्ष्म कण, जिनका व्यास 2.5 माइक्रोमीटर से भी कम है, इतने छोटे होते हैं कि वे फेफड़ों में रह जाते हैं और रक्तप्रवाह में प्रवेश कर सकते हैं, जिससे कई अंग प्रणालियां प्रभावित होती हैं और वयस्कों में हृदय रोग, स्ट्रोक, मधुमेह, फेफड़ों का कैंसर और क्रॉनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सीओपीडी) जैसी गैर-संचारी बीमारियों का जोखिम बढ़ जाता है। एचईआई की अध्यक्ष एलेना क्राफ्ट ने कहना है कि हमें उम्मीद है कि हमारी स्टेट ऑफ ग्लोबल एयर रिपोर्ट बदलाव के लिए जानकारी और प्रेरणा दोनों प्रदान करेगी। वहीं, एचईआई की वैश्विक स्वास्थ्य प्रमुख पल्लवी पंत ने कहा कि वायु प्रदूषण का स्वास्थ्य पर बहुत अधिक असर पड़ता है। यह नई रिपोर्ट मानव स्वास्थ्य पर वायु प्रदूषण के महत्वपूर्ण प्रभावों की याद दिलाती है, जिसमें युवा बच्चों, वृद्ध आबादी और निम्न- और मध्यम-आय वाले देशों पर बहुत अधिक बोझ पड़ता है। एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया है कि साल 1980 से 2020 तक महीन कण प्रदूषण के कारण दुनियाभर में लगभग 13.5 करोड़ लोगों की असामयिक मृत्यु हुई। इस बात का खुलासा सिंगापुर के नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन के माध्यम से किया है। अध्ययन में समय से पहले मृत्यु से तात्पर्य उन मौतों से है जो औसत जीवन प्रत्याशा के आधार पर अपेक्षा से पहले होती हैं, जो बीमारियों या पर्यावरणीय कारणों जैसे रोकथाम या उपचार योग्य कारणों से होती हैं। इस अध्ययन में पाया गया कि अल नीनो-दक्षिणी दोलन, हिंद महासागर द्विध्रुव और उत्तरी अटलांटिक दोलन जैसी जलवायु परिवर्तन की घटनाओं से महीन कण पदार्थ से प्रदूषण का प्रभाव और भी बदतर हो गया और इसके कारण अकाल मृत्यु में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई। शोधकर्ताओं ने शोध के हवाले से बताया कि इस तरह की मौसमी घटनाओं के दौरान, तापमान में वृद्धि, हवा के पैटर्न में बदलाव और बारिश में कमी के कारण हवा में ठहराव की स्थिति पैदा हो सकती है और वातावरण में प्रदूषक जमा हो सकते हैं। इसके कारण पीएम 2.5 कणों की मात्रा बढ़ जाती है जो सांस के साथ शरीर के अंदर जाने पर मनुष्य के स्वास्थ्य के लिए बहुत नुकसानदायक होते हैं। अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि जलवायु पैटर्न में बदलाव वायु प्रदूषण को बदतर बना सकते हैं। जब कुछ जलवायु घटनाएं होती हैं, जैसे कि अल नीनो, तो प्रदूषण का स्तर बढ़ सकता है, जिसका मतलब है कि पीएम 2.5 प्रदूषण के कारण अधिक लोगों की समय से पहले जान जा सकती है। अध्ययन इस बात पर प्रकाश डालता है कि जलवायु पैटर्न वायु प्रदूषण को कैसे प्रभावित करते हैं और यह स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सीधे सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्रभावित करता है।

राजनीति पहले जैसी शालीन नहीं हो सकती, ऐसे में काबिलेगौर है ओडिशा की मिसाल

लोकसभा-विधानसभा चुनाव की गहमागहमी में एक महत्वपूर्ण घटना की जाने-अनजाने में अनदेखी जैसी हो गई। ओडिशा में 24 वर्ष बाद सत्ता परिवर्तन हुआ है। वहां भाजपा पहली बार बीजू जनता दल (बीजेडी) को परास्त करके?अपने बल?पर?सरकार?बनाने में सफल हुई है। जब 12 जून को शपथ ग्रहण समारोह हुआ, तब न केवल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और मुख्य विपक्षी दल बीजेडी के मुखिया नवीन पटनायक शामिल हुए, बल्कि भाजपा नेतृत्व ने उन्हें मंच पर भी स्थान दिया। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित भाजपा के शीर्ष नेता पटनायक से सहज होकर मिले। इतना ही नहीं, चुनाव के बाद ओडिशा में राजनीतिक हिंसा की भी कोई खबर नहीं आई। यह सब इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि ओडिशा के पड़ोस पश्चिम बंगाल में भाजपा समर्थकों और भाजपा के पक्ष में मत करने वाले को सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कोपभाजन का शिकार होना पड़ रहा है। इसका संज्ञान लेते हुए कलकत्ता उच न्यायालय ने भी ममता सरकार पर कड़ी टिप्पणी की है। आखिर भारतीय राजनीति में राजनीतिक-वैचारिक विरोधी को प्रतिद्वंद्वी के बजाय शत्रु मानने की विकृति कहां से आई? स्वतंत्रता से पहले भी विभिन्न राजनीतिज्ञों में मतभिन्नता थी। परंतु वे एक-दूसरे का सम्मान करते थे। एक ही ध्वज के तले संवाद होता था। कुछ पाठकों को यह जानकर आश्चर्य होगा कि एक समय कांग्रेस, हिंदू महासभा और मुस्लिम लीग भी मिलकर काम कर चुके थे। तीन बार कांग्रेस के अध्यक्ष रहे 'भारत-रत्न' पंडित मदन मोहन मालवीय ने न केवल वर्ष 1915 में अखिल भारतीय हिंदू महासभा की स्थापना की, बल्कि कांग्रेस में सक्रिय रहते हुए हिंदू महासभा के पांच विशेष सत्रों की अध्यक्षता भी की। इसी तरह गांधीजी वीर सावरकर को 'भाई' कहकर संबोधित करते थे, तो वह संघ के अनुशासन से प्रभावित थे। आचार-विचार में मतभेद होने के बाद नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने 6 जुलाई, 1944 में गांधीजी की प्रशंसा करते हुए उन्हें पहली बार 'राष्ट्रपिता' की संज्ञा दी थी। भारतीय जनसंघ (अब भाजपा) के सह-संस्थापक डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी और संविधान-निर्माता डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर, दोनों कांग्रेस विरोधी थे। स्वतंत्रता से पहले डॉ. श्यामाप्रसाद हिंदू महासभा, तो डॉ. आंबेडकर अनुसूचित जाति संघ के नेता थे। परंतु गांधीजी की सलाह पर इन दोनों गैर-कांग्रेसी नेताओं के साथ पैंथिक पार्टी के बलदेव सिंह, जस्टिस पार्टी के आर. के. षण्मुखम चेट्टी को भी स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। संभवत: यह स्वतंत्र भारत की पहली गठबंधन सरकार थी। स्वतंत्रता पश्चात प्रारंभिक वर्षों में भी राजनीतिक शालीनता और शुचिता तुलनात्मक रूप से ऐसी ही थी। यह प्रतिरोधी विचारधाराओं के ध्वजवाहक पं. नेहरू द्वारा अटलजी के प्रधानमंत्री बनने की भविष्यवाणी और वाजपेयी द्वारा नेहरू के निधन पर व्यक्त भावुक श्रद्धांजलि देने तक में स्पष्ट है।

समर्थकों की भीड़ के बावजूद तन्हा हैं राहुल

राहुल गांधी ने एक बार कहा था- अमेरिका में पढ़ाई के बाद मैंने जोखिम उठाया और अपने सुरक्षा गार्डो से निजात पा ली, ताकि इंग्लैंड में आम जिंदगी जी सकूं। लेकिन ऐसा ज्यादा वक्त तक नहीं हो पाया और वे फिर से सुरक्षाकर्मियों के घेरे में कैद होकर रह गए।

राहुल गांधी किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। वे देश और राज्यों में सबसे लम्बे अरसे तक हुकूमत करने वाली कांग्रेस के अध्यक्ष रहे हैं। हाल के लोकसभा चुनाव में उन्होंने उत्तरप्रदेश के रायबरेली और केरल के वायनाड लोकसभा क्षेत्र से लाखों मतों से जीत हासिल कर इतिहास रचा है। उन्होंने अपने पुराने लोकसभा क्षेत्र वायनाड छोड़कर रायबरेली से सांसद रहने का फैसला किया है। बहरहाल, उनकी जिंदगी कोई आसान नहीं है। इसमें जितने फूल हैं, उससे कहीं ज्यादा खार हैं जिनकी चुभन उन्हें हमेशा महसूस होती रहती है।

राहुल गांधी एक ऐसे खानदान के वारिस हैं, जिसने देश के लिए अपनी जानें तक कुर्बान कर दीं। उनके भारत ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में लाखों-करोड़ों चाहने वाले हैं, लेकिन इस सबके बावजूद वे अकेले खड़े नजर आते हैं। उनके चारों तरफ एक ऐसा अनदेखा दायरा है, जिससे वे चाहकर भी बाहर नहीं आ पाते। एक ऐसी दीवार है, जिसे वे तोड़ नहीं पा रहे हैं। वे अपने आसपास बने खोल में घुटन तो महसूस करते हैं, लेकिन उससे निकलने की कोई राह, कोई तरकीब उन्हें नजर नहीं आती। बचपन से ही उन्हें ऐसा माहौल मिला, जहां अपने-पराये और दोस्त-दुश्मन की पहचान करना बड़ा मुश्किल हो गया था। उनकी दादी इंदिरा गांधी और उनके पिता राजीव गांधी का बेरहमी से कत्ल कर दिया गया। इन हादसों ने उन्हें वह दर्द दिया, जिसकी जरा-सी भी याद उनकी आंखें भिगो देती है। उन्होंने कहा था- उनकी दादी को उन सुरक्षा गार्डों ने मारा, जिनके साथ वे बैडमिंटन खेला करते थे।

वैसे राहुल गांधी के दुश्मनों की भी कोई कमी नहीं है। कभी उन्हें जान से मार देने की धमकियां मिलती हैं, तो कभी उनकी गाड़ी पर पत्थर फेंके जाते है। अप्रैल 2018 में उनका जहाज क्रैश होते-होते बचा। कर्नाटक के हुबली में उड़ान के दौरान 41 हजार फुट की ऊंचाई पर जहाज में तकनीकी खराबी आ गई और वह आठ हजार फुट तक नीचे आ गया। उस वक्तत उन्हें लगा कि जहाज गिर जाएगा और उनकी जान नहीं बचेगी। लेकिन न जाने किनकी दुआएं ढाल बनकर खड़ी हो गईं और हादसा टल गया। कांग्रेस ने राहुल गांधी के खिलाफ साजिश रचने का इल्जाम लगाया था।

किसी अनहोनी की आशंका की वजह से ही राहुल गांधी हमेशा सुरक्षाकर्मियों से घिरे रहे हैं, इसलिए उन्हें वह जिंदगी नहीं मिल पाई, जिसे कोई आम इंसान जीता है। बचपन में भी उन्हें गार्डन के एक कोने से दूसरे कोने तक जाने की इजाजत नहीं थी। खेलते वक्त भी सुरक्षाकर्मी किसी साये की तरह उनके साथ ही रहा करते थे। वे अपनी जिंदगी जीना चाहते थे, एक आम इंसान की जिंदगी। राहुल गांधी ने एक बार कहा था- अमेरिका में पढ़ाई के बाद मैंने जोखिम उठाया और अपने सुरक्षा गार्डो से निजात पा ली, ताकि इंग्लैंड में आम जिंदगी जी सकूं। लेकिन ऐसा ज्यादा वक्त तक नहीं हो पाया और वे फिर से सुरक्षाकर्मियों के घेरे में कैद होकर रह गए।

हर वक्त कड़ी सुरक्षा में रहना, किसी भी इंसान को असहज कर देगा, लेकिन उन्होंने इसी माहौल में जीने की आदत डाल ली। खौफ के साये में रहने के बावजूद उनका दिल मुहब्बत से सराबोर है। वे एक ऐसे शख्स हैं, जो अपने दुश्मनों के लिए भी दिल में नफरत नहीं रखते। वे कहते हैं- मेरे पिता ने मुझे सिखाया कि नफरत पालने वालों के लिए यह जेल होती है। मैं उनका आभार जताता हूं कि उन्होंने मुझे सभी को प्यार और सम्मान करना सिखाया। अपने पिता की सीख को उन्होंने अपनी जिंदगी में ढाला, इसीलिए उन्होंने अपने पिता के कातिलों तक को माफ कर दिया। उनका कहना है- वजह जो भी हो, मुझे किसी भी तरह की हिंसा पसंद नहीं है। मुझे पता है कि दूसरी तरफ होने का मतलब क्या होता है, ऐसे में जब मैं हिंसा देखता हूं चाहे वो किसी के भी साथ हो रही हो, मुझे पता होता है कि इसके पीछे एक इंसान, उसका परिवार और रोते हुए बच्चे हैं। मैं यह समझने के लिए काफी दर्द से होकर गुजरा हूं। मुझे सच में किसी से नफरत करना बेहद मुश्किल लगता है।

उन्होंने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम (लिट्टे) के प्रमुख वेलुपिल्लई प्रभाकरण का जिक्र करते हुए कहा था- मुझे याद है जब मैंने टीवी पर प्रभाकरण के मुर्दा जिस्म को जमीन पर पड़ा देखा। यह देखकर मेरे मन में दो जज्बे पैदा हुए। पहला यह कि ये लोग इनकी लाश का इस तरह अपमान क्यों कर रहे हैं और दूसरा मुझे प्रभाकरण और उनके परिवार के लिए बुरा महसूस हुआ।

राहुल गांधी एक ऐसी शख्सियत के मालिक हैं, जिनसे कोई भी मुतासिर हुए बिना नहीं रह सकता। देश के प्रभावशाली राज घराने से होने के बावजूद उनमें जर्राभर भी गुरूर नहीं है। उनकी भाषा में मिठास और अपनापन है, जो सभी को अपनी तरफ आकर्षित करता है। वे विनम्र इतने हैं कि अपने विरोधियों के साथ भी सम्मान से पेश आते हैं, भले ही उनके विरोधी उनके लिए कितनी ही तल्ख भाषा का इस्तेमाल क्यों न करते रहें। किसी भी हाल में वे अपनी तहजीब से पीछे नहीं हटते। उनके कट्टर विरोधी भी कहते हैं कि राहुल गांधी का विरोध करना उनकी पार्टी की नीति का एक अहम हिस्सा है, लेकिन जाती तौर पर वे राहुल गांधी को बहुत पसंद करते हैं। वे खुशमिजाज, ईमानदार, मेहनती, क्षमाशील और सकारात्मक सोच वाले हैं। बुजुर्ग उन्हें स्नेह करते हैं, उनके सर पर शफकत का हाथ रखते हैं, उन्हें दुआएं देते हैं। वे युवाओं के चहेते हैं। राहुल गांधी अपने विरोधियों का नाम भी सम्मान के साथ लेते हैं, उनके नाम के साथ जी लगाते हैं। सच है कि संस्कार विरासत में मिलते हैं, संस्कार घर से मिला करते हैं। अपने से बड़ों के लिए उनके दिल में सम्मान है, तो बच्चों के लिए प्यार-दुलार है। वे इंसानियत को सर्वोपरि मानते हैं। अपने पिता की ही तरह अपने कट्टर विरोधियों की मदद करने में भी पीछे नहीं रहते। राहुल गांधी छल और फरेब की राजनीति नहीं करते। वे कहते हैं- मैं गांधीजी की सोच से राजनीति करता हूं। अगर कोई मुझसे कहे कि आप झूठ बोल कर राजनीति करो, तो मैं यह नहीं कर सकता। मेरे अंदर यह है ही नहीं। इससे मुझे नुकसान भी होता है। मैं झूठे वादे नहीं करता। वे यह भी कहते हैं- सत्ता और सच्चाई में फर्क होता है। जरूरी नहीं है, जिसके पास सत्ता है उसके पास सच्चाई है।

वे कहते हैं- जब भी मैं किसी देशवासी से मिलता हूं। मुझे सिर्फ उसकी भारतीयता दिखाई देती है। मेरे लिए उसकी यही पहचान है। अपने देशवासियों के बीच न मुझे धर्म, ना वर्ग, ना कोई और अंतर दिखता है।

वे कहते हैं कि सच के रास्ते में मुश्किले ज्यादा आती हैं और राहुल गांधी को भी बेहिसाब मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। बचपन से ही उनके विरोधियों ने उनके खिलाफ साजिशें रचनी शुरू कर दी थीं। उन पर लगातार जाती हमले किए जाते हैं। इस बात को राहुल गांधी भी बखूबी समझते हैं, तभी तो एक बार विदेश जाने से पहले उन्होंने एक्स पर अपने विरोधियों को सम्बोधित करते हुए लिखा था- कुछ दिन के लिए देश से बाहर रहूंगा। भारतीय जनता पार्टी की सोशल मीडिया ट्रोल आर्मी के दोस्तों, ज्यादा परेशान मत होना. मैं जल्द ही वापस लौटूंगा।

राहुल गांधी पर हर तरफ से हमले होते ही रहते हैं। उनके खिलाफ देशभर में इतने मामले दर्ज हैं कि वे आए दिन किसी न किसी अदालत में पेश होते रहते हैं। मोदी सरनेम वाले मामले में सूरत की अदालत से दो साल की सजा मिलने के बाद 23 मार्च 2023 से उनकी लोकसभा की सदस्यता रद्द कर दी गई थी। इस पर उन्होंने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। अदालत ने 4 अगस्त को उन्हें दोषी ठहराए जाने के फैसले पर रोक लगा दी। इसके बाद 7 अगस्त को लोकसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता बहाल कर दी।

राहुल गांधी एक नेता हैं, जो पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए, पार्टी को हुकूमत में लाने के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें वह कामयाबी नहीं मिल पा रही है, जो उन्हें मिलनी चाहिए या ये कहें कि जिसके वे हकदार हैं। शायद वे सियासत के लिए बने ही नहीं हैं। उन्हें तो सियासत में धकेला गया है। बहरहाल वे तमाम अफवाहों और अपने खिलाफ रची जाने वाली तमाम साजिशों से अकेले ही जूझ रहे है और मुस्कराकर उनका सामना कर रहे हैं।

क्षेत्रीय संतुलन और पाकिस्तान समय की मांग है पुनर्विचार

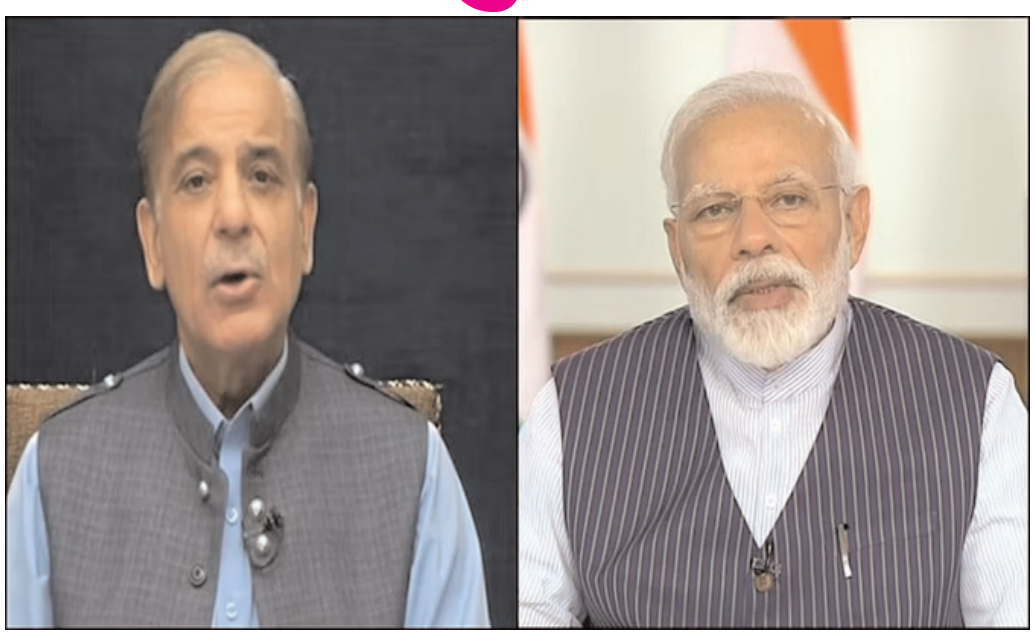

भारत की 'पड़ोसी पहले' की नीति 1947 से ही विदेशी संबंधों का अहम हिस्सा रही है। यह पड़ोसियों से संबंध मजबूत बनाने, क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने, पड़ोसियों के साथ साझा मुद्दों का हल निकालने पर केंद्रित है, जिसे चीन की खतरनाक विस्तारवादी और कर्ज नीति से निपटने के लिए शीर्ष प्राथमिकता देने की जरूरत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण समारोह में पड़ोसी देशों एवं हिंद महासागर क्षेत्र के नेताओं की मौजूदगी से स्पष्ट है कि नई दिल्ली इन देशों को कितना महत्व देती है। समारोह में बांग्लादेश, भूटान, नेपाल, मॉरिशस के प्रधानमंत्री एवं सेशेल्स के उपराष्ट्रपति और श्रीलंका तथा मालदीव के राष्ट्रपति मौजूद थे। मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू का शामिल होना रणनीतिक दृष्टि से इसलिए अहम था, क्योंकि दोनों देशों के बीच संबंध तनावपूर्ण चल रहे हैं। भारत ने 'पड़ोसी पहले' की नीति?के तहत दक्षिण एशियाई देशों के साथ संबंधों को मजबूत करने पर हमेशा जोर दिया है। इसका लक्ष्य क्षेत्र में शांति, सहयोग और विकास को बढ़ावा देना है। अतीत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सार्क नेताओं को निमंत्रण देना, दक्षिण एशिया में नई शुरुआत का संकेत था। मोदी के तीसरे कार्यकाल में दक्षिण एशिया के छोटे देशों के जरिये क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए भारतीय दृष्टिकोण में भू-राजनीतिक बदलाव की उम्मीद है। मालदीव की नकारात्कता के बावजूद भारत ने संयम बरता है, जिससे संबंधों में सुधार की गुंजाइश है। मालदीव और नेपाल चीन के प्रलोभन में फंसे हुए हैं। इसलिए भारत को क्षेत्रीय संतुलन बनाकर राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखना होगा। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का एक्स पर प्रधानमंत्री मोदी को बधाई देना, इसके जवाब में मोदी का भी धन्यवाद कहना काफी कुछ बयां करता है। नवाज शरीफ ने लिखा कि %आइए, हम नफरत को आशा में बदलें और दक्षिण एशिया के दो अरब लोगों की नियति को आकार देने के लिए अवसरों का लाभ उठाएं।% प्रधानमंत्री मोदी ने तुरंत जवाब दिया कि 'भारत के लोग हमेशा शांति, सुरक्षा और प्रगतिशील विचारों के लिए खड़े हैं। अपने लोगों की भलाई और सुरक्षा के लिए आगे बढ़ाना हमेशा हमारी प्राथमिकता रहेगी।' उल्लेखनीय है कि 2014 में जब मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने, तो नवाज शरीफ भी शपथ ग्रहण में शामिल हुए थे। नवाज शरीफ के प्रधानमंत्री मोदी के साथ बेहतर रिश्ते रहे हैं। मोदी ने पाकिस्तान से संबंधों को सामान्य बनाने का प्रयास भी किया था। वर्ष 2015 में मोदी अचानक नवाज शरीफ को 66वें जन्मदिन की बधाई देने लाहौर पहुंचे थे और उनकी नातिन मेहरुनिस्सा की शादी के रिसेप्शन में शामिल हुए थे। हालांकि पाकिस्तानी सेना को यह पहल पसंद नहीं आई थी। इससे पहले 2004 में अटल बिहारी वाजपेयी ने पाकिस्तान का दौरा करके संबंधों में नरमी लाई थी। कूटनीति के सिद्धांतों के अनुसार, भले ही दोनों देशों के बीच संबंधों की निरंतरता को शत्रुता नियंत्रित करती हो, फिर भी बातचीत जारी रहनी चाहिए। अगर पाकिस्तान ईमानदारी दिखाए और सीमा पार आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद करे, तो भारत फिर से बातचीत शुरू कर सकता है। विशेषज्ञ इस पर एकमत हैं कि चीनी राष्ट्रपति भारत के साथ शत्रुता का भाव रखते हैं, जबकि पाकिस्तान से बातचीत शुरू होने पर अमेरिका भी सहज महसूस करेगा। हालांकि अब स्थितियां बदली हैं और नवाज शरीफ और सेना भारत से रिश्ते में सुधार के लिए एकमत होते दिख रहे हैं, लेकिन आईएसआई को कश्मीर में हिंसा को बढ़ावा देने वाले आतंकियों?को समर्थन देना बंद करना होगा। वहीं, प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ को पाकिस्तान को माली हालत से बाहर निकालने के लिए आर्थिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। पुलवामा हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान से व्यापार रोक दिया था। भारत अभी जल्दबाजी में पाकिस्तान के साथ व्यापार का कोई निर्णय भी नहीं लेगा। नरेंद्र मोदी का लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने से पड़ोसी देशों पर गहरा असर हुआ है। मोदी अगले पांच वर्ष तक देश की कमान संभालेंगे, ऐसे में विदेश नीति पर पुनर्विचार करना समय की मांग है। साथ ही, सार्क देशों के साथ संबंध सुधारते हुए पाकिस्तान के साथ गतिरोध खत्म करने की पहल करनी होगी, पर पाकिस्तान को कश्मीर फोबिया से बचना होगा।

सोनाक्षी की शादी को लेकर अफवाह उड़ाने वालों पर नाराज हुए शत्रुघ्न सिन्हा

कहा-खामोश!

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल इन दिनों अपनी शादी की खबरों को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इनकी शादी को लेकर कई तरह की अफवाह भी उड़ रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अगले कुछ दिनों में दोनों शादी करने वाले हैं। ऐसे में सभी की निगाहें दोनों के परिवार पर टिकी हैं, खासकर सोनाक्षी सिन्हा के परिवार पर। रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में एक साक्षात्कार के दौरान सोनाक्षी सिन्हा के पिता और दिग्गज अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने बताया कि वह अपनी बेटी की शादी में शामिल होंगे और उन्हें प्यार और आशिर्वाद देंगे। अभिनेता के इस बयान ने कई अफवाहों को खामोश कर दिया है। आइए जानते हैं, उन्होंने क्या कहा?

शादी में शामिल ना होने की अफवाहों को नकारा

हाल ही में अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा ने एक साक्षात्कार में अपनी बेटी की शादी में ना शामिल होने की खबर को अफवाह बताया और इसे खारिज कर दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दिग्गज अभिनेता ने कहा कि वह दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं और वह दोनों की शादी में शामिल भी होंगे। उन्होंने कहा, 'मुझे बताओ, वैसे भी यह किसकी जिंदगी है? यह मेरी इकलौती बेटी सोनाक्षी की जिंदगी है, जिस पर मुझे बहुत गर्व है और मैं उससे बेहद प्यार करता हूं। वह मुझे अपनी ताकत कहती है। मैं निश्चित रूप से शादी में मौजूद रहूंगा। मुझे क्यों नहीं होना चाहिए और क्यों नहीं रहूंगा?'

बेटी की खुशी रखती है मायने

शत्रुघ्न सिन्हा ने आगे कहा कि उनकी बेटी सोनाक्षी की खुशी ही उनकी प्राथमिकता है और वह भी अपने पिता के लिए ऐसा ही सोचती हैं। उन्होंने कहा कि अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा को अपना साथी चुनने की पूरी स्वतंत्रता है और अपनी इच्छा के अनुसार अपनी शादी की योजना बनाने का हक है।

फर्जी खबर फैलाने वालों को कहा- खामोश!

अभिनेता ने फर्जी खबर फैलाने वालों पर नाराजगी जताई और उन्हें संबोधित करते हुए कहा, 'मैं उन्हें अपने खास डायलॉग से सावधान करना चाहूंगा खामोश! यह तुम्हारा काम नहीं है। केवल अपने काम से मतलब रखो।' मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोनाक्षी और जहीर 23 जून को मुंबई में शादी करेंगे।

अजरबैजान के लिए रवाना हुए अजित कुमार, विदा मुयार्ची की शूटिंग करेंगे पूरी

अजित कुमार कॉलीवुड यानी तमिल सिनेमा के सुपरस्टार हैं। उनके चाहने वाले लाखों की संख्या में हैं। अपनी अदाकारी से उन्होंने दक्षिण भारत के साथ हिंदी पट्टी के लोगों के दिलों में भी खास जगह बनाई है। अभिनेता के प्रशंसकों को उनकी आगामी फिल्म विदा मुयार्ची की बेसब्री से इंतजार है।

अजित कुमार अजरबैजान के लिए रवाना यह कॉलीवुड की प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसमें अजित कुमार मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्देशन मगिज थिरुमेनी कर रहे हैं। इस बीच फिल्म से जुड़ी एक नई जानकारी सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेता अजित फिल्म अंतिम शेड्यूल की शूटिंग में शामिल होने के लिए अजरबैजान के लिए रवाना हो गए हैं। उन्हें आज सुबह (20 जून) चेन्नई एयरपोर्ट पर देखा गया। इस फिल्म की लगभग 30 प्रतिशत शूटिंग अभी बाकी है। उम्मीद जताई जा रही है कि इस फिल्म को पूरा करने के बाद अभिनेता अजित गुड बैड अग्ली की शूटिंग शुरू करेंगे।

त्रिशा कृष्णन भी आएंगी नजर

विदा मुयार्ची की स्टारकास्ट की बात करें तो फिल्म में त्रिशा कृष्णन मुख्य अभिनेत्री के रूप में नजर आने वाली हैं। वहीं, अर्जुन सरजा एक और महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। उनके अलावा रेजिना कैसांद्रा और आरव भी सहायक भूमिकाओं में हैं। लाइका प्रोडक्शंस के बैनर तले बन रही इस फिल्म में लोगों को अनिरुद्ध रविचंदर का शानदार संगीत सुनने को मिलेगा। फिल्म दिवाली के आसपास रिलीज करने की योजना पर मेकर्स तेजी से काम कर रहे हैं।

पुरानी यादों में खोए दिखे सुनील शेट्टी

बोले- हेरा फेरी और बॉर्डर हिट होगी मुझे यकीन था

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता सुनील शेट्टी हिंदी फिल्म फिल्म इंडस्ट्री के बड़े नामों में से एक नाम हैं। उन्होंने बॉलीवुड को कई हिट फिल्में दी हैं, लेकिन उनके लिए इंडस्ट्री में जगह बनाना बिल्कुल भी आसान नहीं था। हाल ही में अभिनेता एक इंटरव्यू के दौरान अपनी फिल्मों के बारे में बातें करते नजर आए। साथ ही साथ उन्होंने बॉर्डर और हेरा फेरी के बारे में भी कई दिलचस्प खुलासे किए।

बॉर्डर को मिला था डॉक्यूमेंट्री का टैग सुनील शेट्टी बॉलीवुड में अपनी एक्शन फिल्मों के लिए जाने जाते हैं। वे अपनी कई फिल्मों में एक्शन हीरो के किरदार में नजर आए हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेता ने बताया, जब बॉर्डर रिलीज हुई थी तब उसके शुरूआती दिनों में लोगों ने उसे डॉक्यूमेंट्री फिल्म का टैग दे दिया था। फिल्म के शुरूआती शो बिल्कुल खाली गए थे, लेकिन धीरे-धीरे दर्शकों ने फिल्म को प्यार देना शुरू किया और आज बॉर्डर सबसे बड़ी हिट फिल्मों में शामिल है।

हेरा फेरी को कहा गया था फ्लॉप

सुनील शेट्टी अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, ऐसे ही जब हेरा फेरी रिलीज हुई थी तब उसके लिए भी यही कहा जा रहा था कि यह फिल्म भी फ्लॉप होने वाली है। बॉर्डर की तरह इसकी भी शुरुआत शानदार नहीं थी, लेकिन शाम वाले शो के बाद फिल्म ने मोमेंटम पकड़ लिया। दर्शकों को फिल्म में परेश जी, ओम पुरी जी, अक्षय और मेरी कॉमेडी टाइमिंग पसंद आई। फिल्म ने शानदार कारोबार किया था। जब हम हेरा-फेरी को शूट कर रहे थे तभी हमें यकीन था कि यह फिल्म दर्शकों को पसंद आएगी।

बॉर्डर के लिए देर से प्रतिक्रिया मिली थी सुनील शेट्टी जब बॉर्डर और हेरा फेरी कर रहे थे तब उन्हें यकीन था कि ये दोनों फिल्में दर्शकों को पंसद आएगी। अभिनेता कहते हैं, कभी-कभी ऐसा होता है कि आप जिन फिल्मों पर सबसे यादा यकीन करते हैं उसपर दर्शकों की प्रतिक्रिया थोड़ी देर से आती है। बॉर्डर और हेरा फेरी के साथ यही हुआ था, लेकिन मुझे पहले से इन दोनों फिल्मों के लिए लग रहा था कि ये फिल्में बढ़िया प्रदर्शन करेंगी।

उत्तरी अमेरिका में कल्कि 2898 एडी की धूम, रिलीज से पहले ही बिक गए 55,555 टिकट

कल्कि 2898 एडी अब रिलीज की दहलीज पर पहुंच चुकी है। ऐसे में फिल्म का तेजी से प्रचार किया जा रहा है। फिल्म निर्माताओं की कोशिश है कि उनकी यह भारत के बाहर भी यादा से यादा दर्शकों द्वारा देखी जाए। नॉर्थ अमेरिका में निर्माताओं की यह कोशिश कामयाब होती हुई भी दिखाई दे रही है, क्योंकि वहां फिल्म के टिकट धड़ाधड़ बुक हो रहे हैं। 55,555 टिकटों की हुई बिक्री उत्तरी अमेरिका में कल्कि 2898 एडी के टिकट की प्री-बुकिंग चालू है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वहां कल्कि 2898 एडी के अब तक 55,555 टिकट बिक चुके हैं। इस आंकड़े से जाहिर है कि उत्तरी अमेरिका में दर्शक इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित है। जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज की तारीख पास आती जा रही है, वैसे-वैसे इसके टिकट भी धड़ल्ले से बिकते जा रहे हैं।ये कलाकार आएंगे नजर कल्कि 2898 एडी का निर्देशन नाग अश्विन ने किया है।

धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही चंदू चैंपियन, मुंजा की कमाई में भी आई गिरावट

चंदू चैंपियन बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है। बड़े बजट से बनकर तैयार हुई यह फिल्म अब तक अछा कलेक्शन नहीं कर सकी है। वहीं, हॉरर फिल्म मुंजा ने अब तक ठीक ठाक कमाई की है। इन दोनों फिल्मों के अलावा मिस्टर और मिसेज माही सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है। हालांकि, फिल्म की कमाई की रफ्तार अब काफी धीमी हो चुकी है। आइए जानते हैं कि कौन सी फिल्म ने बुधवार को कितनी कमाई की।

चंदू चैंपियन

कार्तिक आर्यन अभिनीत चंदू चैंपियन पैरालम्पिक स्वर्ण पदक विजेता मुरली पेटकर के जीवन पर आधारित है। इस फिल्म के लिए कार्तिक आर्यन ने जमकर मेहनत की थी। फिल्म में उनके अभिनय की जमकर सराहना भी हो रही है, लेकिन कमाई के मामले में यह फिल्म धीमी रफ्तार से आगे बढ़ रही है।

पहले सप्ताहांत में फिल्म ने 21.5 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। पांचवें दिन की कमाई की बात करें तो इस फिल्म ने तीन करोड़ 25 लाख रुपये का कलेक्शन किया था। ताजा आंकड़ों के मुताबिक छठे दिन फिल्म ने दो करोड़ 98 लाख रुपये बटोरे हैं। इसके साथ ही फिल्म का कुल कलेक्शन 32.73 करोड़ रुपये हो गया है।

मुंजा हॉरर कॉमेडी फिल्मों को दर्शक काफी यादा पसंद करते हैं। मुंजा भी लोगों पर अपना जादू चलाने में कामयाब रही है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर फिल्म की रफ्तार अब धीमी होती जा रही है। पहले हफ्ते में 35.3 करोड़ रुपये का कलेक्शन करने वाली फिल्म मुंजा दूसरे हफ्ते में भी दमदार कमाई कर रही है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक 13वें दिन फिल्म ने तीन करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 65.45 करोड़ रुपये हो गई है।

मिस्टर एंड मिसेज माही

मिस्टर एंड मिसेज माही का हाल बॉक्स ऑफिस पर बेहाल है। टिकट खिड़की पर यह फिल्म अछा प्रदर्शन नहीं कर सकी है। राजकुमार राव और जान्हवी कपूर अभिनीत इस फिल्म ने 20वें दिन 22 लाख रुपये का कलेक्शन किया। इसके साथ ही फिल्म की कुल कमाई 35.56 करोड़ रुपये हो गई है।

अभिनय के अलावा लेखन में भी हैं माहिर, आलिया भट्ट से लेकर नीना गुप्ता का नाम भी है शामिल

बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियों ने फिल्मों में बेहतरीन काम किया है, साथ ही उन्होंने एक्शन, सस्पेंस, थ्रिलर और रोमांस से भरपूर फिल्में भी की हैं। लेकिन क्या आपको यह पता है कि कुछ बॉलीवुड की अभिनेत्रियां ऐसी भी हैं, जिन्होंने अभिनय के अलावा बेहतरीन पुस्तकों का लेखन भी किया है। इस लिस्ट में आलिया भट्ट से लेकर नीना गुप्ता और शिल्पा शेट्टी का नाम शामिल है।

आलिया भट्ट हाल ही में एडवेंचर्स ऑफ एड-ए-मम्मा एड फाइंड्स ए होम की लेखिका बन गई हैं। अब आलिया अभिनेत्री होने के साथ ही लेखिका भी बन गई हैं। किताब के लॉन्च समारोह के दौरान हुए इंटरव्य बताया कि उनकी बेटी राहा को किताबें बहुत पसंद है और वह सोते समय उन्हें गले लगाकर सोती हैं।

ट्विंकल खन्ना, जिन्हें टीना जतिन खन्ना के नाम से भी जाना जाता है। एक भारतीय लेखिका, इंटीरियर डिजाइनर, फिल्म निर्माता और पूर्व अभिनेत्री हैं। 2015 में, खन्ना ने अपनी पहली नॉन-फिक्शन किताब, मिसेज फनीबोन्स जारी की, जिसे बेस्टसेलर घोषित किया गया। इस पुस्तक से अभिनेत्री उस वर्ष भारत की सबसे अधिक बिकने वाली महिला लेखिका बन गईं। ट्विंकल की दूसरी पुस्तक द लीजेंड ऑफ लक्ष्मी प्रसाद, लघु कथाओं का एक संग्रह, जिनमें से एक सामाजिक उद्यमी अरुणाचलम मुरुगनंथम पर आधारित थी। उनकी तीसरी पुस्तक, पजामा आर फॉरगिविंग, यह नीलसन बुकस्कैन पर फिक्शन में नंबर 1 स्थान पर था और प्रकाशन के कुछ हफ्तों के भीतर क्रॉसवर्ड बुकस्टोर बेस्टसेलर सूची में नंबर 1 पर अपनी स्थिति को मजबूत कर लिया।

नीना गुप्ता एक अभिनेत्री, टीवी कलाकार और फिल्म डायरेक्टर तथा प्रोड्यूसर हैं। उन्हें वर्ष 1990 में फिल्म वो छोकरी के लिये बेस्ट सपोर्टिंग अभिनेत्री का फिल्म फेयर पुरस्कार मिला। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उनका नाम अस्सी के दशक में प्रसिद्ध क्रिकेटर विवियन रिचर्ड्स के साथ अपने प्रेम संबंधों के कारण काफी चर्चा में आया था। नीना गुप्ता बॉलीवुड की नवीनतम अभिनेत्री हैं, जिन्होंने अपनी आत्मकथा सच कहूं तो के साथ लेखिका का रूप ले लिया है।

प्रियंका चोपड़ा एक भारतीय अभिनेत्री, मॉडल, फिल्म निर्माता और गायिका हैं। मिस वर्ल्ड 2000 प्रतियोगिता की विजेता, प्रियंका चोपड़ा भारत की सबसे अधिक भुगतान पाने वाली और सबसे लोकप्रिय मनोरंजनकर्ताओं में से एक हैं।

अतुल कुलकर्णी ने यादों की गुल्लक से निकाला अनोखा किस्सा, शो की पूरी टीम के लिए कही यह बात

दिल को छू लेने वाले वेब सीरीज की बात करें तो जहन में सबसे पहले गुल्लाक का नाम आता है। इस शो ने लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। पहले सीजन से लेकर चौथे सीजन तक को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला है। श्रेयांश पांडे के निर्देशन में बने इस शो में जमील खान, गीतांजलि कुलकर्णी, सुनीता राजवार, हर्ष मायर और वैभव राज गुप्ता मुख्य भूमिकाओं में हैं।

गुल्लक 4 का प्रीमियर 7 जून को हुआ और मौजूदा समय में यह सोनी लिव और ओटीटीप्ले प्रीमियम पर स्ट्रीम हो रहा है। वेब शो और इसकी टीम की तारीफ केवल आम जनता ही नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े दिग्गज कलाकार भी कर रहे हैं। हाल ही में हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने अभिनेता और लेखक अतुल कुलकर्णी ने शो की पूरी यूनिट की तारीफ करते हुए यादों की गुल्लक का अनोखा किस्सा साझा किया।

अतुल ने कहा, मेरे लिए यादों की गुल्लक का किस्सा इसी शो से जुड़ा हुआ है। मुझे याद है कि भोपाल में शो की शूटिंग चल रही थी और मैं गीतांजलि जी को मिलने के लिए वहां गया था। तब मैं पहली बार गुल्लक की पूरी यूनिट से मिला। मैंने चार दिन गुल्लक की टीम के साथ बिताए। मेरे लिए ये बहुत यादगार दिन थे। पूरी टीम बहुत अच्छी थी और वहां काम भी बहुत अच्छा हो रहा था।

सोनी लिव के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल से अतुल कुलकर्णी का यह वीडियो साझा किया गया है। इस छोटे से क्लिप को साझा करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर से लिखा गया, अतुल कुलकर्णी ने यादों की गुल्लक से निकाला गुल्लक के सेट का अनोखा किस्सा। आप भी साझा कीजिए अपने यादों की गुल्लक के किस्से।

गीतांजलि अभिनेता अतुल कुलकर्णी की पत्नी है। दोनों ने साल 1996 में शादी की थी। अभिनेत्री ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से पढ़ाई की है और अतुल उनके सीनियर रह चुके हैं। वेब सीरीज गुल्लक में गीतांजलि ने शांति मिश्रा का किरदार निभाया है। चौथे सीजन में उनकी अदाकारी की काफी तारीफ हो रही है।

मोहब्बत और रंजिश की कहानी है जुबली टॉकीज, शो के स्टार अभिषेक और खुशी दुबे ने किया खुलासा

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के नए शो जुबली टॉकीज - शोहरत,शिद्दत,मोहब्बत में अभिनेत्री खुशी दुबे और अभिषेक बजाज अहम भूमिका निभाते नजर आने वाले हैं। यह शो आम टीवी शो कैसे और कितना अलग है इस बात की जानकारी खुद शो के स्टार्स ने दी है। आइए जानते क्या कुछ कहा है खुशी और अभिषेक ने मीडिया से बातें करते हुए अपने शो जुबली टॉकीज - शोहरत,शिद्दत,मोहब्बत के बारे में--

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के नए शो जुबली टॉकीज - शोहरत,शिद्दत,मोहब्बत में अभिषेक बजाज अहम भूमिका निभा रहे हैं। अपने शो के बारे में बातें करते हुए अभिनेता कहते हैं, सबसे पहले तो मैं आपको बताना चाहूंगा कि जब मैंने इस शो के बारे में सुना तब मुझे लगा कि यह आम टीवी शो से काफी अलग है। इसकी कहानी एक सुपर स्टार और आम लड़की के बीच पनप रहे प्यार और रंजिश की कहानी है। दोनों में मोहब्बत होगी या नहीं होगी ये किसी को पता नहीं है।

अभिषेक बजाज अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, जैसे कि इस शो का नाम जुबली टॉकीज - शोहरत,शिद्दत,मोहब्बत ही अपने आप में काफी अलग है। वैसे ही इसकी कहानी भी बेहद दिलचस्प होने वाली है। मुझे यकीन है कि दर्शकों को यह शो देखकर काफी मजा आने वाला है। मैंने पहले जो कुछ भी किया है यह शो उससे अलग और चैलेंजिंग है।

जुबली टॉकीज - शोहरत,शिद्दत,मोहब्बत में खुशी दुबे लीडिंग अभिनेत्री का किरदार निभा रही हैं। मीडिया से बातें करते हुए खुशी कहती हैं, इस शो में मैं एक ऐसी लड़की की भूमिका निभा रही हूं जो अपने बाबा के संगम थिएटर को वापस हासिल करना चाहती है। यह उस लड़की की संघर्ष की कहानी है। इसी दौरान वह अपने फेवरेट हीरो से मिलती और फिर क्या होता है उसे ही शो में दिखाया गया है।

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का नया शो जुबली टॉकीज - शोहरत,शिद्दत,मोहब्बत 24 जून 2024 से हर सोमवार और शुक्रवार रात आठ बजे आने वाला है। इस शो लेकर अभी से ही दर्शकों में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। अपने शो के बारे बातें करते हुए खुशी और अभिषेक कहते हैं, ऐसा शो लोगों ने पहले कभी नहीं देखा होगा। यह एकदम अलग और सिद्दत वाली प्रेम कहानी है। इस शो को देखकर दर्शक निराश नहीं होंगे।

किरहाई सरपंच ने शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला जुड़मनिया में दिलाया बच्चों को प्रवेश

मौके पर प्रधानाध्यापिका, शिक्षक, प्रतिनिधि छात्र छात्राओं तथा अभिभावक मौजूद रहे

उमेश कुशवाहा । सिटी चीफ ।

मैहर, मैहर जिला के अमरपाटन विकासखण्ड की जुड़मनिया स्कूल में स्कूल चले हम अभियान के तहत शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला जुड़मनिया में प्रवेश उत्सव मनाया गया। इस मौके पर सरपंच रामलखन सागर द्वारा बच्चों को तिलक लगाकर एवं पुस्तक वितरण कर प्रवेश दिलाया गया।

प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में पहुंचे सरपंच रामलखन सागर ने विद्यालय का नया सत्र चालू होने पर सभी बच्चों को बधाई दिए और सभी को प्रतिदिन स्कूल आने के लिए प्रेरित किए। इस मौके पर प्रमुख्य रूप से प्रधानाध्यापिका शैलजा त्रिपाठी, शिक्षिका सीता पटेल, शिक्षक श्रीकांत मिश्रा, पंच प्रतिनिधि हरिशंकर साकेत सहित छात्र छात्राओं तथा अभिभावक रहे मौजूद।

देवबंद में फर्जी कंपनी खोलकर देवबंद में व्यापारियों का लाखों रुपया किया गया गबन

देवबंद नगर के व्यापारियों ने कोतवाली प्रभारी से लगाई कार्रवाई की गुहार

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर । देवबंद, फर्जी कंपनी खोलकर देवबंद में व्यापारियों से लाखों रुपये का गबन किया गया है। देवबंद नगर के व्यापारियों ने कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार से मिलकर उन्हें प्रार्थना पत्र देते हुए कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। भाजपा नगर अध्यक्ष अरुण गुप्ता के नेतृत्व में व्यापारी देवबंद कोतवाली पहुंचे उन्होंने इंस्पेक्टर संजीव कुमार को पत्र देते हुए बताया कि नगर निवासी एक व्यक्ति ने फर्जी कंपनी खोलकर छोटे-बड़े व्यापारियों को लालच देकर उनके लाखों रुपये जमा कर लिए। मैच्योरिटी के समय बार-बार मांगने पर भी पैसे नहीं दिए गए। आरोप है कि उक्त व्यक्ति ने

धमकी देकर उन्हें घर से भगा दिया। व्यापारियों ने पुलिस से मामले में कार्रवाई करने की मांग की है। देवबंद कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने व्यापारियों को शीघ्र कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है। इस दौरान आलोक सिंघल, पंकज गोयल, ऋषिपाल कश्यप, संजय चावला, प्रवीण मागो, राजू सलूजा, पारस माहेश्वरी, दिव्यांशु, अर्जुन आदि मौजूद रहे।

21 जून को होगा एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन

प्रात: 10 :00 बजे क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में साक्षात्कार में भाग लेने के लिए रहे उपस्थित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय द्वारा 21 जून 2024 को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की लगभग 04 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी। सहायक निदेशक सेवायोजन अरूण कुमार भारती ने जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो 10वीं, 12वीं, आईटीआई इत्यादि पास एवं 18 से 35 वर्ष की आयु के हों तो 21 जून को प्रात: 10:00 बजे क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में उपस्थित होकर साक्षात्कार में भाग ले सकते है। प्रतिभागी इच्छुक अभ्यर्थियों को rojgaarsangam.up.gov.in व ncs.gov.in पर ऑनलाईन पंजीकरण करना अनिवार्य है और

पंजीकरण करने के पश्चात पंजीकरण स्लिप यूजर आईडी व पासवर्ड के साथ बायोडाटा की छायाप्रति अपने साथ लायें।

सहारनपुर में जिलाधिकारी ने चीनी मिल गाँगनौली, गागलहेडी, टोडरपुर एवं बिडवी के प्रतिनिधियों को लगाई कडी फटकार

गन्ना मूल्य भुगतान समय से न करने वाली चीनी मिलों के मालिकों के विरुद्ध होगी एफ0आईआर :- डीएम डॉ दिनेश चन्द्र

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभाकक्ष में जनपद की चीनी मिलों के अध्यासियों के साथ गन्ना मूल्य भुगतान के संबंध में बैठक आहूत की गयी। बैठक में जिलाधिकारी डा.दिनेश चंद्र ने गन्ना मूल्य भुगतान में सबसे ज्यादा पिछड़ने वाली जनपद की 04 चीनी मिलों के प्रतिनिधि को कड़ी फटकार लगायी और त्वरित गति गन्ना मूल्य का भुगतान करने के निर्देश दिये। जिला गन्ना अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद की चीनी मिल गाँगनौली पर 119.54 करोड रू0, चीनी मिल गागलहेडी पर 31.26 करोड रू0, चीनी मिल टोडरपुर पर 21.39

करोड रू0 तथा चीनी मिल बिडवी पर 6.36 करोड रू0 बकाया है। जिस पर जिलाधिकारी द्वारा चीनी मिल प्रतिनिधियों को फटकार लगाते हुए कडे शब्दों में भुगतान हेतु निर्देशित किया गया। चीनी मिल गांगनौली, गागलहेडी, बिडवी एवं टोडरपुर को एक सप्ताह में शत-प्रतिशत भुगतान करना सुनिश्चित करें वरना चीनी मिल मालिकों के विरूद्ध एफ आई आर की कार्यवाही अमल में लाई जायेगी। इस अवसर पर जिला गन्ना अधिकारी सुशील कुमार, यूनिट हेड चीनी मिल गंगनौली हरविश कुमार मालिक, यूनिट हेड चीनी मिल गागलहेड़ी धनराज सिंह, सी जी एम चीनी मिल बिडवी अश्वनी सिंह, महाप्रबंधक चीनी मिल टोडरपुर भानू प्रताप सिंह उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन की बैठक में किसानों की समस्याओं को लेकर विचार-विमर्श किया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर । देवबंद, राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन की बैठक में किसानों की समस्याओं को लेकर विचार- विमर्श किया गया। साथ ही शासन से एमएसपी कानून को लागू करने सहित विभिन्न मांगों को पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई। खेड़ामुगल में आयोजित बैठक में संगठन के जिलाध्यक्ष चौधरी सुखबीर सिंह ने कहा कि आज किसान समस्याओं का समाधान कराने के लिए संघर्ष कर रहा है। लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है। जिससे किसानों में रोष बना हुआ है। उन्होंने शासन से किसानों के लिए गन्ना को-ऑपरेटिव सोसायटी में कोई संशोधन न करने, ट्यूबवैलों पर मीटर न लगाए जाने, एमएसपी कानून लागू किए जाने, उत्तराखंड देवभूमि हरिद्वार में

बाहर से आने वाले यात्रियों को पुलिस बेवजह परेशान न करे, मंडी शुल्क के नाम पर बाहर के किसानों से अवैध वसूली बंद किए जाने की मांग की। साथ ही कहा कि यदि उक्त मांगों को नहीं माना जाता तो वह आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस दौरान जिलाध्यक्ष ने खेड़ामुगल निवासी मुन्नू चौधरी को संगठन का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत कर उन्हें पत्र सौंपा। इस दौरान मंडल अध्यक्ष नवीन त्यागी, विशु त्यागी, नवाब सिंह आदि मौजूद रहे।

सहारनपुर में बड़ी नहर में नहाने गए दो युवकों की डूबने से हुई मौत

पुलिस ने गोताखोरों की मदद से घंटों बाद शव बाहर निकाले, चार घंटे तक लगातार नहर में दोनों युवकों की तलाश की गई

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, सहारनपुर देहात कोतवाली क्षेत्र के चिलकाना रोड पर बड़ी नहर में नहाने गए दो युवकों की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से घंटों बाद शव बाहर निकाले। चार घंटे तक लगातार नहर में दोनों युवकों की तलाश की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार शमशेर पुत्र वहीद (19) और शाकिब पुत्र फय्याज (21) निवासी हबीबगढ़ अपने दोस्तों के साथ नहाने के लिए चिलकाना रोड स्थित बड़ी नहर में नहाने के लिए गए थे। नहाते समय दोनों युवक गहराई में जाने से डूब गए। उन्हें देखकर अन्य युवकों ने शोर मचा दिया। आवाज सुनकर आसपास काम करने और गुजरने वालों की भीड़ लग गई। इसके बाद युवकों के डूबने की जानकारी पुलिस को दी गई। पता लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची। गोताखोरों को बुलाया गया। पुलिस ने गोताखोरों की मदद से दोनों की

तलाश शुरू कर दी। कड़ी मशक्कत के बाद पहले शमशेर के शव को बाहर निकाला। उसके कुछ देर बाद शाकिब को भी बाहर निकाल लिया गया। मुंह में पानी भरने से दोनों की मौत हो गई थी। दोनों लकड़ी की दुकान पर काम करते थे। घटना का पता लगते ही शमशेर और शाकिब के परिजन भी मौके पर पहुंचे। उन्हें नहीं पता था कि नहाने के बाद शमशेर व शाकिब नहीं लौटेंगे। दोनों युवकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक का कहना है कि चिलकाना रोड स्थित बड़ी नहर में युवकों के डूबने की सूचना मिली थी। एक युवक को बाहर निकाल लिया है, जिसकी मौत हो गई, जबकि दूसरे की तलाश लगातार जारी है। पुलिस मौके पर है।

ग्राम बन में घर की साफ सफाई कर रही महिला की सांप के डशने से मौत हुई बुधवार को हुआ पोस्टमार्टम

रानापुर -- समीपस्थ ग्राम बन घर में साफ सफाई कर रही महिला को सांप ने काट लिया शरीर में जहर फैलने से महिला की मौत हो गई। मामला ग्राम बन के जमरा फलिया का है। वहा के मुकेश की पत्नी मालकीबाई अपने घर में साफ सफाई कर रही थी। तभी कचरे के ढेर में छुपे सांप ने उसे डंक मार दिया, महिला घबरा कर शोर मचाती हुई बाहर निकली परिजन ने उसका पहले देशी उपचार कराया फिर उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर आए जहा उसकी मौत हो गई । मृत महिला का बुधवार का पोस्टमार्टम किया गया। परिजनों ने बताया कि बाद में एक सपेरे को बुलाकर सांप को पकड़ा गया करीब 3 से 4 फीट लंबा सांप वहा से पकड़ा गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के तहत सेल्फी बूथ का किया शुभारंभ

बालाघाट

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग को जनमानस तक ले जाने के उद्देश्य से कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के मार्गदर्शन में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सीबीसी बालाघाट द्वारा सेल्फी बूथ का शुभारंभ किया गया। जिला योग आयोग श्री तपेश असाटी ,जिला आयुष अधिकारी श्री मिलिंद चौधरी, योग प्रशिक्षक श्री एस पटले,श्री सुभाष गुप्ता रि.आयकर अधिकारी, भारती सर, अजय बैस सीबीसी सहित योग प्रशिक्षक एवं जनमानस की उपस्थिति में मोती गार्डन में शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर 21 जून को किए जाने वाले प्रोटोकॉल का अभ्यास का भी किया जा रहा है। जिला योग आयोग श्री तपेश असाटी ने कहा कि योग हमारे जीवन का हिस्सा बने । इसको लेकर प्रचार प्रसार भी आवश्यक है, लोग योग के महत्व को समझे और आज युवाओं को व्यवस्थित जीवन शैली अपनाने की आवश्यकता है। योग को जनमानस तक पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया है। सीबीसी द्वारा सेल्फी बूथ एवं योग आयोग, पतंजलि, भारत स्वाभिमान एवं आयुष विभाग द्वारा योगाभ्यास प्रारंभ करने से योग को लोग जान पाएंगे। और आज महिलाएं भी योग कोई महत्व को समझ पा रही है, इसके लिए शहर के अलग-अलग स्थानो में योग कक्षाएं संचालित हो रही है। इस अवसर पर अजय बैस इकाई प्रभारी ने बताया कि दसवें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। जिले में भी सेल्फी बूथ, चित्र प्रदर्शनी के माध्यम से जागरूकता गतिविधि की जा रही है। आयुष अधिकारी डॉ. मिलिंद चौधरी ने 21 जून 2024 पर होने वाले आयोजन के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि योग दिवस के पूर्व विभाग द्वारा अलग-अलग गतिविधियां संचालित हो रही है काउंट डाउन के माध्यम से जागरूकता गतिविधियों का शुभारंभ किया गया। 21 जून 2024 को मुख्य सामूहिक योग कार्यक्रम उत्कृष्ट विद्यालय में सुबह 6 बजे से निर्धारित प्रोटोकॉल के तहत होगा जिसमें माननीय प्रधानमंत्री जी का संदेश का प्रसारण होगा। उन्होंने जनमानस से 21 जून के कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

अंतराष्ट्रीय योग दिवस पर पर्यटन स्थलों एवं दर्शनीय स्थलों पर भव्य योगा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे - कलेक्टर

कलेक्टर ने जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत 5 जून से 16 जून जक आयोजित कार्यक्रम की समीक्षा की

नर्मदापुरम

कलेक्टर सोनिया मीना ने बताया कि अंतरार्ष्ट्रीय योग दिवस 21 जून को नर्मदापुरम जिले के पर्यटन स्थल धूपगढ, मढई में एवं दर्शनीय स्थल तिलक सिंदूर एवं सेठानी घाट में भव्य योगा के कार्यक्रम किए जाएंगे। जिले के सभी तहसील एवं विकासखण्डों में तथा स्कूलों में भी योगा के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सेठानी घाट में जिला स्तरीय योगा का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। जिसमें समाज के प्रबुद्ध वर्ग, गणमान्य नागरिक, स्कूल के छात्र छात्राएं, खिलाडी, पॉलिटेक्निक एवं आईटीआई कॉलेज के छात्र छात्राएं, विभिन्न क्षेत्र में प्रसिद्ध व्यक्तिगण योगा के कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाएंगे। कलेक्टर ने सभी संबंधित अधिकारियों को योगा के कार्यक्रम की सभी आवश्यक तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर ने बुधवार को योगा, पौधरोपण एवं 5 जून से 16 जून तक आयोजित जल गंगा संवर्धन अभियान में किए गए कार्यो की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्य पालन अधिकारी श्री एस.एस. रावत द्वारा जल गंगा संवर्धन अभियान के कार्यों की प्रगति का प्रस्तुतीकरण किया गया। श्री रावत

द्वारा अवगत कराया गया कि अभियान के दौरान ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत मनरेगा योजना, पंचायतीराज की निधियों से जल संवर्धन एवं संरक्षण के नवीन कार्य एवं जीर्णोद्धार के कार्य स्वीकृत किये गये हैं। उक्त कार्यों में मुख्य रूप से रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग, तालाबों की मरम्मत, नवीन तालाब, पुरानी बावडियों एवं कूपों का जीर्णोद्धार तथा सोकता गडडों को लिया गया है। अभियान के दौरान जल संवर्धन के कार्यों की पूर्णता भी सुनिश्चित की गई है। श्री रावत ने नगरीय निकायों, जल संसाधन विभाग, वन विभाग, उद्यानिकी विभाग, कृषि विभाग द्वारा किये गये कार्यों का ब्यौरा भी प्रस्तुत किया। सीईओ श्री रावत द्वारा अवगत कराया गया कि जिले में ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत अभियान के दौरान 5 जून से 16 जून तक कुल 824 नवीन एवं 385 जीर्णोद्धार के कुल 1209 कार्य स्वीकृत किये गये है । स्वीकृत कार्यो की कुल लागत राशि 1979 लाख रूपये है, जिनसे 15.71 लाख घनमीटर जल संग्रहित होगा। अभियान अंतर्गत नगरीय क्षेत्र में कुल 287 नवीन एवं 122 जीर्णोद्धार के कार्य कुल 409 कार्य स्वीकृत किये गये है। स्वीकृत कार्यो की कुल लागत राशि 267लाख रूपये है जिनसे 0.77लाख घनमीटर जल संग्रहित होगा। कलेक्टर ने निर्देश दिये कि कार्यों को पूर्ण कराये जाने पर विशेष ध्यान दिया जाए एवं जो भी कार्य लिए जा रहे हैं उनकी गुणवत्ता भी सुनिश्चित की जाए। ग्रामीण तथा नगरीय क्षेत्रों में समस्त् शासकीय भवनों तथा प्रतिष्ठानों में रूफ वॉटर हार्वेस्टिंग का कार्य अनिवार्यतः कराया जाए। पुराने हैंडपंपों के समीप अनिवार्यतः सोखता गड्ढे बने जिससे कि हैंडपंपों के जल स्तर में सुधार हो सके। कलेक्टर द्वारा बैठक में सोहागपुर ब्लॉक की पलकमती नदी के पुनर्जीवन की समीक्षा भी की गई एवं निर्देश दिए गए कि बारिश के पूर्व छोटी संरचनाओं को पूर्ण करा लिया जाए। बैठक में वर्षा ऋतु में होने वाले वृहद पौधरोपण की समीक्षा भी कलेक्टर द्वारा की गई तथा वन विभाग, ग्रामीण विकास विभाग, उद्यानिकी विभाग, कृषि विभाग द्वारा शासकीय भूमि एवं हितग्राहियों की निजी भूमि पर लिये जाने वाले पौधरोपण हेतु लक्ष्यो तथा पौधों की उपलब्धता का जायजा लिया गया। कलेक्टर द्वारा निर्देश दिये गये कि विभाग अपने स्थालों पर पौधारोपण करवाएं जहां उनकी उच्चदर जीवित्ता सुनिश्चित की जा सके। पौधारोपण हेतु चयनित स्थलों के समीप सिंचाई सुविधा हो इसका भी विशेष ध्यान रखा जाए।

कलेक्ट्रेट गेट के समीप सुलभ कॉम्प्लेक्स लोकार्पित?

सतना स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत सुलभ इंटरनेशनल भोपाल द्वारा निर्मित वार्ड क्रमांक 34 कलेक्ट्रेट सतना में गेट नंबर 2 पर नवनिर्मित सामुदायिक सुलभ कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण महापौर श्री योगेश ताम्रकार ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने की। इस मौके पर अध्यक्ष नगर निगम श्री राजेश चतुर्वेदी, पार्षद गोपी गेलानी, क्षेत्रीय वार्ड पार्षद वार्ड क्रमांक 34 कुसुम बाल्मीक मल्लाह भी उपस्थित रहे। महापौर श्री योगेश ताम्रकार ने बताया कि नगर निगम सतना क्षेत्र में कुल 25 सामुदायिक सुलभ कॉम्प्लेक्स बनाये जा रहे हैं। कलेक्ट्रेट के 24वें कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण किया गया है। गुरुवार को 25वें सुलभ कॉम्प्लेक्स का लोकार्पण किया जायेगा। कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा ने नगर निगम की टीम को धन्यवाद देते हुये कहा कि कलेक्ट्रेट कैंपस में दूर-दराज के क्षेत्र से कलेक्ट्रेट आने वाले ग्रामीणजनों, शहरी नागरिकों और कचहरी आने वाले लोंगो को प्रसाधन की उचित सुविधा मिल सकेगी।

हम तो वही करेंगे जनाब जो हम करते आए हैं, आपको जो करना हो कर लो, ग्राम पंचायत देवहार

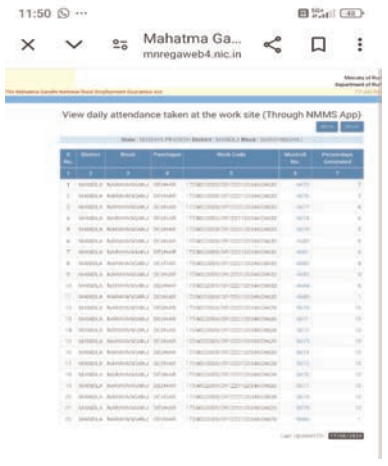

जनपद कार्यालय के कर्मचारियों ने प्रतिशत कमीशन के चक्कर में दे रहे हैं खुली संरक्षण

नारायणगंज /मंडला जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत ग्राम पंचायत देवहार में इन दिनों मनरेगा के तहत , कार्य चल रहा है जिसमे धड़ल्ले से फर्जी मस्टरोल और हाजरी का खेल खेला जा रहा है, हालाकि देवहार पंचायत के लिए यह कोई नई चीज नही है आए दिन देवहार पंचायत सुर्खियों में रहता है कभी फर्जी बिल हो या पंच परमेश्वर की पैसे हों या पांचवे वित्त की हो चाहे फर्जी मस्टरोल हाजरी की हो सबसे ज्यादा अग्रणी रहती है। इस प्रकार से सरकारी पैसे और जनता के पैसे का करते हैं बंदरबाट।

डिमांड 200 की काम कर रहे 70और हाजरी लग रही 200की हद तो तब हो गई की जब मस्टरोल जारी होता है दो सौ का और साइड में काम कर रहे सत्तर से अस्सी लोग लेकिन हाजरी भर रहे दो सौ पार जो की फर्जी तरीके से लगाया जाता है ।और इस प्रकार के अनेको फर्जी मस्टरोल के खबर पहले बहुत से दैनिक अखबारो के माध्यम से दिखाया गया है लेकिन जनपद अधिकारी गहरी नींद में सो रहे हैं।

कमीशन के चक्कर में मालामाल अधिकारी कर्मचारियों, अगर बात करे जांच की तो न कभी उपन्त्री या एसडीओ न एपीओ और न ही संबंधित स्टीमेट तयार करने वाले इंजिनियर विजिट में जाते और न ही कभी इनकी जांच का विषय होता है जिनके कारण कर्मचारी और अधिकारी को कमीशन समय समय में मिलता रहता है। एक तरफ न खाने दूंगा न खाऊंगा वाले निनाद बहुत तूल पकड़ा था ठीक उसके उल्टा हुआ हम तो खायेंगे जनाब आपको जो करना है करलो और यही वजह है की पंचायत के कर्मचारियों को खुली संरक्षण मिलता जा रहा है जिससे उनके हौसले और बुलंद् होते दिख रहा है।

हितग्राही मूलक के बिल लगाने हेतु हजारों की कर रहे वसूली जनपद पंचायत नारायणगंज अंतर्गत अनेकों पंचायत में हितग्राही मूलक के मैटेरियल पार्ट्स के पैसे के लिए जनपद पंचायत के समधिंत इंजिनियर अलग अलग डिमांड करते हैं जोकि उनके हिसाब से प्रतिशत में कमीशन में जोकि जिसमे बात फिट जम जाये फिर उनके हिसाब से जीएसटी बिल लगाया जाता है इस प्रकार हजारों के वसूली हितग्राहियों से की जातीहै।

विश्व सिकल सेल दिवस

19 जून 2024 के उपलक्ष्य में विभिन्न गतिविधियों का हुआ आयोजन

झाबुआ - प्रदेश में सिकल सेल एनीमिया की उन्मूलन हेतु ''राज्य् हीमोग्लोबिनोपैथी मिशन'' के अंतर्गत जिलें में सिकल सेल एनीमिया की स्क्रीनिंग, जांच, प्रबंधन, काउंसलिंग एवं रोकथाम हेतु कार्ययोजना का संचालन किया जा रहा है। इसी तारतम्य में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 19 जून 2024 को ''विश्व सिकल सेल दिवस'' के रूप में मनाया गया।सिकल सेल दिवस पर उपराष्ट्र पति श्री जगदीप धनखड़ के मुख्य अतिथ्य में जिला डिंडौरी में हुए कार्यक्रम का लाईव प्रसारण किया जाकर कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें जिला स्तर पर 578 व्यक्ति सहभागी हुए। जिला स्तरीय कार्यक्रम के साथ ही सिकल सेल परीक्षण शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसके अंतर्गत कुल 267 बच्चों के सिकल सेल की जांच की गई। जिसमें से कुल 29 बच्चें सिकल सेल रोग से ग्रसित मिले तथा 82 बच्चें सिकल सेल वाहक पाये गयें। चिन्हित सिकल सेल रोगियों को आयोजित शिविर में विषय विशेषज्ञों द्वारा परामर्श की व्योवस्थाल, टेलीकंसल्टेशन हेतु ऑनलाईन डेस्क् की व्यवस्था, उपचार एवं प्रबंधन हेतु औषधि हाइड्रोक्सी यूरिया का वितरण, जेनेटिक काउंसलिंग कार्ड, फोलोअप कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र के वितरण की व्यवस्था

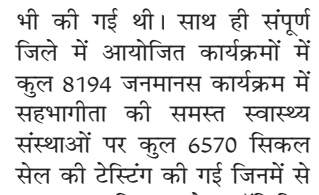

भी की गई थी। साथ ही संपूर्ण जिले में आयोजित कार्यक्रमों में कुल 8194 जनमानस कार्यक्रम में सहभागीता की समस्त स्वास्थ्य संस्थाओं पर कुल 6570 सिकल सेल की टेस्टिंग की गई जिनमें से कुल 134 सिकल सेल पॉजिटिव एवं 154 सिकल सेल वाहक पाये गयें। स्वास्थ्य शिविर का आयोजन प्रातः 10:00 बजें से शासकिय नर्सिंग महाविद्यालय बाड़कुआं रोड़ झाबुआ में किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अपर कलेक्टर एस.एस. मुजाल्दा की अध्यक्षता तथा मुख्य अतिथि श्रीमती कविता सिंगार की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.बी.एस.बघेल ने जिले वासियों को स्वास्थ्य अमले के साथ सहयोग एवं सहभागिता कर देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प अनुसार वर्ष 2047 तक पूर्ण रूप से सिकल सेल खत्म करने हेतु आव्हान किया। कार्यक्रम में शासकिय नर्सिंग महाविद्यालय की छात्राओं के द्वारा नुक्काड नाटक के रंगमंच कार्यक्रम के द्वारा जन-जागरूकता का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के दौरान सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती निशा मेहरा, युवा नेता श्री शैलेष सिंगार, सिविल सर्जन डॉ. मालवीय, डी.एच.ओ. डॉ. पूरनसिंह, जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री आर.आर.खन्ना, सिकल सेल नोडल डॉ. संदीप चौपड़ा, डीएमआईयू श्री प्रेम कुमार डेनियल, सीपीएचसी सलाहकार श्री कैलाश चरपोटा, प्राचार्य जीएनएम श्रीमती पूनमसिंह, सहायक अस्पताल प्रबंधक श्री अखिलेश बघेल एवं श्री भारत बिलवाल, डीईओ श्री प्रवीण यादव तथा स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी/अधिकारी एवं समस्तअ स्टॉफ उपस्थित थें।

कलेक्टर ने किया आजीविका रूरल मार्ट का शुभारंभ

सीधी स्वदेशी हस्तनिर्मित उत्पादों के विक्रय, विपणन एवं स्वदेशी उत्पादों को बाजार से जोड़ने की पहल जिला पंचायत परिसर अंतर्गत आजीविका रूरल मार्ट का शुभारम्भ म.प्र.डे.राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तत्वाधान में कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी द्वारा किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्य पालन अधिकारी जिला पंचायत राहुल नामदेव घोटे, कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा अशोक शुक्ला, जिला परियोजना प्रबंधक आजीविका मिशन पुष्पेंद्र सिंह, आजीवका मिशन विकासखंड सीधी के विकासखंड प्रबंधक अशोक पाण्डेय एवं समस्त विकासखंड एवं जिला पंचायत का स्टाफ उपस्थित रहा।

आजीविका रूरल मार्ट म.प्र.डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला सीधी के अंतर्गत स्वदेशी हस्तनिर्मित उत्पादों के विक्रय एवं विपणन हेतु एवं स्वदेशी उत्पादों को बाजार से जोड़ने हेतु मार्ट (दुकान) का संचालन किया जाना है। साथ ही जैविक आधार पर तैयार किए गए फल सब्जियां जूस अंकुरित अनाज एवं अन्य उत्पाद विक्रय हेतु उपलब्ध रहेगा। आजीविका रूरल मार्ट अंतर्गत हस्तनिर्मित स्वदेशी उत्पाद जैसे साबुन,डिस वास, आटा, हल्दी,बेसन

गोबर एवं मिट्टी का दीपक ,कोदो, एल.ई.डी. बल्ब अगरबत्ती, दोना पत्तल, वाशिंग पाउडर, जूट बैग चाय की पत्ती, सैनेटरी पैड जौविक खाद, जैविक कीटनाशक जैसे नीमास्त्र ब्रम्हास्त्र, बर्मी कम्पोस्ट एवं अन्य दैनिक उपयोग मे आने वाली स्वदेशी वस्तुएं जिन्हे बाजार से जोड़ने और इनका विपणन ही आजीविका रूरल मार्ट का प्रमुख उद्देश्य है।

आजीविका रूरल मार्ट के संचालन हेतु वित्तीय सहयोग नाबार्ड बैंक के माध्यम से प्राप्त है। नाबार्ड बैंक के माध्यम से यह वित्तीय सहयोग ग्रामीण क्षेत्रों में हस्तनिर्मित स्वदेशी एवं विलुप्त होती हुई वस्तुओं को बाजार से जोड़ने एवं रोजगार और आजीविका को बढ़ावा देने के लिये एक पहल है जिसके माध्यम से रोजगार एवं आजीविका में सतत वृद्धि होगी। आजीविका रूरल मार्ट का संचालन सी.एल.एफ (संकुल) अंतर्गत स्व सहायता समूह के सदस्यों के द्वारा किया जा रहा है। आजीविका रूरल मार्ट से प्राप्त लाभ से कमीशन के रूप में संचालन करने वाले सदस्यों को मानदेय दिया जायेगा एवं नाबार्ड बैंक से प्राप्त राशि के सहयोग से मार्ट, दुकान की अधोसंरचना एवं उत्पादों को तैयार करने में आवश्यक सहयोग, प्रशिक्षण एवं वित्तीय सुविधाएं प्रदान की जायेगी। वर्तमान में उपलब्ध दुकानों का संचालन हथकरघा भरतपुर, ओम स्व सहायता समूह जमुनिहा नम्बर 2 एवं जागृति सीएलएफ बघवारी द्वारा किया जा रहा है।

राहुल के दावे में कितना दम, क्या सही में खतरे में है मोदी की एन.डी.ए. सरकार ?

नेशनल डेस्क- भले ही केंद्र में भाजपा नीत एन.डी.ए. सरकार ने पूरी तरह से कामकाज संभाल लिया है, लेकिन कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इसी बीच यह दावा किया है कि एन.डी.ए. के कई घटक दल कांग्रेस के संपर्क में हैं। अगर राहुल गांधी सही हैं तो संकेत साफ है कि पीएम मोदी की एन.डी.ए. सरकार खतरे में है। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री तो बन गए, लेकिन भाजपा अकेले बहुमत के जादुई आंकड़े से दूर रह गई है। 240 सीटों पर सिमटी भाजपा को केंद्र की सत्ता में लौटने के लिए सहयोगी दलों की मदद लेनी पड़ी जिनके पास 53 सीटें हैं।

छोटी सी गड़बड़ी से गिर सकती है सरकार

राहुल गांधी ने दावा करते हुए कहा है कि संख्या बल की दृष्टि से सत्तारूढ़ एन.डी.ए. बहुत कमजोर है और थोड़ी सी गड़बड़ी में ही सरकार धराशायी हो सकती है। राहुल ने मीडिया को दिए एक इंटरव्यू के दौरान कहा है कि संख्या इतनी कम है कि सरकार बहुत नाजुक है और छोटी सी गड़बड़ी भी इसे गिरा सकती है। इसके लिए एन.डी.ए. के एक सहयोगी को दूसरी तरफ मुड़ना होगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि एन.डी.ए. के कुछ सहयोगी हमारे संपर्क में हैं। हालांकि राहुल गांधी ने किसी का नाम तो नहीं बताया, लेकिन उन्होंने कहा कि मोदी खेमे में बहुत गहरी असहमति है।

नफरत और गुस्से की राजनीति से लाभ

कांग्रेस नेता ने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजों से पता चलता है कि भारतीय राजनीति में एक बड़ा बदलाव आया है। उन्होंने दावा किया कि %मोदी के विचार और छवि को बड़ा झटका लगा है। उन्होंने तर्क दिया कि मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी एन.डी.ए. सरकार संघर्ष करेगी क्योंकि 2014 और 2019 में जो बातें नरेंद्र मोदी के पक्ष में थीं, वो इस बार नदारद हैं। परिणामों के बारे में गांधी ने कहा कि यह सोच कि आप नफरत और गुस्से की राजनीति से लाभ उठा सकते हैं, भारत के लोगों ने इस चुनाव में इसे अस्वीकार कर दिया है। जिस पार्टी ने पिछले 10 साल अयोध्या के बारे में बात करने में बिताए, उसका अयोध्या में सफाया हो गया है। मूल रूप से यह हुआ कि धार्मिक नफरत पैदा करने का भाजपा का मूल ढांचा ध्वस्त हो गया है। राहुल गांधी ने इस बार विपक्ष के प्रदर्शन में सुधार के लिए अपनी दो भारत जोड़ो यात्राओं को भी श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रणाली, मीडिया, संवैधानिक संस्थाएं विपक्ष के लिए के बंद थे। तब हमने फैसला किया कि हमें अपने दम पर ही लड़ना होगा। हमारे खिलाफ जो दीवार खड़ी की गई, इस चुनाव में सफल होने वाले बहुत से विचार उसी से आए थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि राहुल गांधी के दावे की पड़ताल करें तो एन.डी.ए. को कम से कम 21 सांसदों से झटका मिलेगा, तभी मोदी सरकार गिर सकती है। बहुमत के लिए 272 का आंकड़ा चाहिए। इनमें अकेले भाजपा के पास 240 सीटें हैं। इसलिए भाजपा को सरकार बचाने के लिए सहयोगी दलों से सिर्फ 32 सांसदों के समर्थन की जरूरत है। अभी सहयोगी दलों के पास 53 सांसद हैं। इनमें आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की पार्टी टी.डी.पी. के 14 और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जदयू के 12 सांसद हैं। अगर ये दोनों एक साथ एन.डी.ए. से निकल जाएं तो कुल 26 सांसद घट जाएंगे, यानी सरकार गिराने के लिए जरूरी 21 के आंकड़े से पांच ज्यादा होंगे।

उत्तर कोरिया के दौरे पर पहुंचे पुतिन ने किम जोंग उन को भेंट की रूस निर्मित लग्जरी कार

इंटरनेशनल डेस्क: उत्तर कोरिया के दौरे पर पहुंचे रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने किम जोंग उन को एक रूस निर्मित लग्जरी कार भेंट की है। प्योंगयांग के सरकारी मीडिया ने कहा कि लिमोजिन रविवार को नेता किम जोंग उन के शीर्ष सहयोगियों को सौंप दी गई। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने बाद में उपहार की पुष्टि करते हुए कहा कि यह एक पूर्ण आकार की लक्जरी सेडान कार है जिसका उपयोग स्वयं पुतिन करते हैं।

रूस द्वारा यूक्रेन पर आक्रमण के बाद से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग पड़े इन दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंध बन गए हैं। माना जा रहा है कि उत्तर कोरिया रूस को युद्ध के लिए तोपें, रॉकेट और बैलिस्टिक मिसाइलें मुहैया करा रहा है, जबकि दोनों देशों पर अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंध हैं। दोनों ही पक्ष प्रतिबंधों का उल्लंघन करने से इनकार करते हैं। पुतिन ने पिछले सितम्बर में रूसी सुदूर पूर्व में वोस्तोचनी कोस्मोड्रोम में किम का स्वागत किया था, जो चार वर्षों में उनकी पहली विदेश यात्रा थी। उस यात्रा के दौरान, उत्तर कोरियाई नेता ने पुतिन की ऑरस सीनेट लिमोजिन का निरीक्षण किया और उन्हें पीछे की सीट पर बैठने के लिए आमंत्रित किया था।

उन्होंने उपहार के रूप में बंदूकें भी बदली थीं। माना जाता है कि किम जोंग-उन को कार का शौक है और उनके पास लग्जरी विदेशी वाहनों का संग्रह है। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के हवाले से किम की बहन यो जोंग ने कहा कि यह उपहार दोनों देशों के शीर्ष नेताओं के बीच विशेष व्यक्तिगत संबंधों का स्पष्ट प्रदर्शन है। लेकिन दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह उपहार उत्तर कोरिया के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रतिबंधों का उल्लंघन है, जो लग्जरी कारों सहित कुछ श्रेणियों के वाहनों की आपूर्ति पर प्रतिबंध लगाता है।

हज यात्रा को लेकर नई भविष्यवाणी

सैंकड़ों जायरीनों की मौत बाद विशेषज्ञों ने अगले खतरे से किया आगाह

दुबई: दुनियाभर से सऊदी अरब हज करने के लिए गए जायरीनो को इस साल कड़ी मौसम चुनौतियों का सामना करना पड़ा। मौसम वैज्ञानिकों की गंभीर चेतावनी के बावजूद इस तय संख्या से कई गुणा अधिक हज यात्री पहुंचे और गर्मी के प्रकोप का शिकार हो गए। सऊदी अरब के मक्का में हज के लिए पहुंचे 577 यात्री गर्मी और लू के कारण जान गंवा चुके हैं। वहीं हजारों की संख्या में हाजियों को गर्मी की वजह से हुई बीमारियों का सामना करना पड़ा है। द पिछले साल भी सऊदी अरब में भीषण गर्मी ने तमाम इंतजाम के बावजूद 240 हज यात्रियों की जान ली थी। इस साल ये संख्या दोगुणी से अधिक हो गई है। इस वर्ष हुई मौतों में 323 नागरिक मिस्र और 60 जॉर्डन के हैं। इसके अलावा ईरान, इंडोनेशिया और सेनेगल के तीर्थयात्रियों की भी मौतें हुई हैं। एक राजनयिक ने कहा कि गर्मी के चलते हुई मौतों में बड़ी संख्या अपंजीकृत तीर्थयात्रियों की है। आधिकारिक और महंगी हज वीजा प्रक्रियाओं को नजरअंदाज कर आने वाले यात्रियों को वातानुकूलित सुविधाओं तक पहुंच नहीं मिल पाती, ये उनके लिए मुश्किल बनती है। मिस्र के एक राजनयिक ने कहा कि अपंजीकृत तीर्थयात्रियों ने मिस्र में मरने वालों की संख्या में काफी वृद्धि की है।

एक अधिकारी ने कहा कि अनियमित तीर्थयात्रियों के कारण शिविरों में अराजकता फैल गई, जिससे सेवा चरमरा गई। कई लोग भोजन, पानी या एयर कंडीशनिंग के बिना रह गए, जिससे गर्मी से संबंधित मौतें हुई।सऊदी में जिस तरह से तापमान में वृद्धि हो रही, उसे देखते हुए विशेषज्ञों ने हज यात्रा पर नई भविष्यवाणी कर दी है और अगले साल के खतरे से किया आगाह किया है। कहा जा रहा है कि आने वाले वर्षों में हज यात्रा बहुत मुश्किल साबित हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार को मक्का में तापमान 52 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भीषण गर्मी में हाजियों को खुद को स्वस्थ रखना चुनौती बन रहा है। ये चुनौती आने वाले वर्षों में और ज्यादा बढ़ सकती है। जर्नल ऑफ ट्रैवल एंड मेडिसिन के 2024 की एक रिसर्च के अनुसार गर्मी से निपटने की जो रणनीति दुनियाभर में बन रही हैं, बढ़ता वैश्विक तापमान उन रणनीतियों से आगे निकल सकता है। इसका सीधा असर सऊदी जैसे गर्म देश पर होगा।

जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स के एक अध्ययन में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन के कारण शुष्क सऊदी अरब में तापमान बढ़ने से हज करने वाले तीर्थयात्रियों को अत्यधिक खतरे का सामना करना पड़ेगा। इस साल जिस तरह से अत्यधिक गर्मी के कारण मौते हुई हैं और सऊदी अस्पतालों में भीड़ बढ़ी है। उसे देखते हुए ये दावा भी कुछ एक्सपर्ट कर रहे हैं कि कम से कम बुजुर्गों के लिए आने वाले वर्षों में हज करना असंभव की तरह हो जाएगा।

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में पत्रकार की गोली मारकर हत्या

पेशावर- पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में अज्ञात बंदूकधारियों ने एक वरिष्ठ पत्रकार की उनके घर के पास ही गोली मारकर हत्या कर दी है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस के उक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार को खैबर जिले के लांडी कोटल शहर में निजी खबरिया चैनल 'खैबर न्यूज के पत्रकार खलील जिबरान अपने मित्र के साथ अपने घर जा रहे थे, उसी दौरान मोटरसाइकिल से आये बदमाशों ने उनको निशाना बनाया। उन्होंने बताया कि जिबरान की कार उनके घर के पास ही खराब हो गयी, तभी बंदूकधारियों ने उन्हें घेर लिया और गाड़ी से खींचकर बाहर निकाला एवं उनपर गोलियां दाग दीं। अधिकारी ने बताया कि इस हमले में जिबरान की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि उनका वकील मित्र घायल हो गया। उनके अनुसार हमले के बाद हमलावर वहां से भाग गये। उन्होंने बताया कि जिबरान को आतंकवादियों से धमकियां भी मिल चुकी थीं। जिबरान के मित्रों ने खैबर-पख्तूनख्वा राजमार्ग पर उनका शव राकर प्रर्दान किया। बाद में उन्हें उनके पैतृक गांव में दफना दिया गया, जिबरान कोटल प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष भी थे।् प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि जिबरान के हत्यारों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गांदपुर ने प्रशासन को पत्रकार के हत्या के लिए जिम्मेदार अपराधियों को तत्काल गिरफ्तार करने का आदेश दिया है। 'एसोसिएशन ऑफ इलेक्ट्रोनिक मीडिया एडिटर्स एंड न्यूज डायरेक्टर्स ने इस हत्या की कड़ी निंदा की और सरकार से जिबरान के हत्यारों को इंसाफ के कटघरे में लाने की मांग की।

पाकिस्तान में लैपटॉप की बैटरी में विस्फोट से दो बचों की मौत, 7 घायल

इस्लामाबाद: पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में बुधवार को एक घर में लैपटॉप की बैटरी फटने से आग लग गई, जिसमें कम से कम दो बचों की मौत हो जबकि सात अन्य झुलस गए। जियो न्यूज की खबर के अनुसार, यह घटना फैसलाबाद के शरीफ पुरा इलाके में हुई। लैपटॉप की बैटरी चार्ज करते समय फट गई और इससे घर में आग लग गई। बचाव अधिकारियों ने बताया कि घटना के बाद घर में रहने वाले पांच बचों और दो महिलाओं सहित परिवार के नौ सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। खबर में कहा गया कि एक भाई और एक बहन की बाद में इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने बचों की मौत पर खेद व्यक्त किया तथा शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना और सहानुभूति व्यक्त की। प्रांतीय सरकार के बयान के अनुसार, मरियम ने आग में घायल हुए लोगों के लिए बेहतर उपचार और चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का आदेश दिया है।

पाकिस्तान में गर्ल्स हॉस्टल के शौचालयों में मिले छिपे हुए कैमरे

मालिक और कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज, आश्रयस्थल और सैलून भी नहीं सेफ

लाहौर: लड़कियों के होस्टलों में छिपे हुए कैमरों से जुड़ी हाल की घटनाओं ने पूरे पाकिस्तान में चिंता पैदा कर दी है। लाहौर पुलिस ने शौचालयों में छिपे हुए कैमरे मिलने के बाद जौहर टाउन में एक निजी गर्ल्स हॉस्टल के मालिकों और कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन कैमरों का इस्तेमाल कथित तौर पर निवासियों के वीडियो रिकॉर्ड करने के लिए किया जाता था, जिससे छात्रावास में रहने वालों और उनके परिवारों के बीच गंभीर संकट पैदा हो गया था। डॉन न्यूज के अनुसार, यह घटना तब सामने आई जब एक निवासी के चाचा ने शिकायत दर्ज कराई। पुलिस जांच में पता चला कि महिला निवासियों की अश्लील रिकॉर्डिंग करने के लिए कैमरे लगाए गए थे। हॉस्टल के मालिकों और कई कर्मचारियों सहित आरोपी व्यक्ति मौके से भाग गए। पुलिस ने तब से हॉस्टल को खाली करा लिया है और अपनी जांच जारी रखी है। यह कोई अकेला मामला नहीं है। देश के विभिन्न हिस्सों से छात्रावासों, आश्रयों और सैलून जैसे निजी स्थानों में महिलाओं को निशाना बनाकर छिपे हुए कैमरे से निगरानी करने की घटनाएं सामने आई हैं। पाकिस्तान टुडे के अनुसार, डिजिटल राइट्स फाउंडेशन (ष्ठक्रन्न) जैसे वकालत समूहों ने गोपनीयता और गरिमा के इन उल्लंघनों पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। डीआरएफ ने सीसीटीवी और छिपे हुए कैमरों के अनियमित उपयोग को उजागर किया है, तथा निजी स्थानों में महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए तत्काल सुधार की मांग की है। पाकिस्तान के राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनसीएचआर) ने भी इन कार्रवाइयों की निंदा की है, तथा इन्हें निजता पर गंभीर आक्रमण और मौलिक मानवाधिकारों का घोर उल्लंघन बताया है। एनसीएचआर ने अनधिकृत निगरानी प्रणालियों को समाप्त करने तथा जिम्मेदार लोगों को जवाबदेह ठहराने के लिए तत्काल और कठोर कार्रवाई की मांग की है। इन घटनाओं के मद्देनजर, पाकिस्तान सरकार से निजता की रक्षा करने तथा निगरानी प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग को संबोधित करने के लिए व्यापक डेटा सुरक्षा कानूनों की समीक्षा करने तथा उन्हें लागू करने की मांग बढ़ रही है। डॉन में हाल ही में प्रकाशित संपादकीय के अनुसार, प्रस्तावित डेटा सुरक्षा विधेयक में महिलाओं के अधिकारों तथा डिजिटल अधिकार समूहों की सिफारिशों को शामिल करने की तत्काल आवश्यकता है। इस बीच, छिपी हुई निगरानी के मुद्दे को उजागर करने वाले अन्य चौंकाने वाले मामले भी सामने आए हैं। उदाहरण के लिए, एआरवाई न्यूज ने मई में बताया कि कराची के एक व्यक्ति को अपनी पत्नी के अश्लील वीडियो बनाने तथा उन्हें डार्क वेबसाइट पर वितरित करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। उस व्यक्ति पर अपनी पत्नी की वीडियो बनाने के लिए बाथरूम में जासूसी कैमरा लगाने का भी आरोप लगाया गया था, जो इस समस्या की व्यापक प्रकृति को और भी दर्शाता है।इसके अलावा, हाई-प्रोफाइल मामलों में न्यायाधीशों को भी निगरानी का शिकार होना पड़ा है। मार्च में, इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के छह न्यायाधीशों ने एक खुला पत्र लिखकर इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (ढ्ढस्ढ्ढ) पर एक न्यायाधीश के आवास में जासूसी कैमरे लगाने का आरोप लगाया। यह घटना पाकिस्तान में अनधिकृत निगरानी की व्यापक पहुंच और समाज के विभिन्न वर्गों को प्रभावित करने की इसकी क्षमता को रेखांकित करती है। डिजिटल राइट्स फाउंडेशन (ष्ठक्रन्न) ने इस बात पर जोर दिया है कि पाकिस्तान में महिलाएं पहले से ही लिंग आधारित हिंसा, उत्पीड़न और सामाजिक निगरानी का सामना कर रही हैं।

आरोपी अनुराग यादव का कबूलनामा- एक रात पहले मेरे पास आ गया था प्रश्न पत्र, फूफा ने करवाई थी सेटिंग

नेशनल डेस्क- हाल ही में चल रहे नीट पेपर लीक मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। पुलिस को बयान देते वक्त आरोपी अनुराग यादव ने बताया कि जो प्रश्न पत्र लीक हुआ था, वो सही था और परीक्षा में भी वही आया था।अनुराग ने कहा कि उसे यह प्रश्न पत्र परीक्षा से एक दिन पहले मिले थे और रातभर उसे हर प्रश्न रटवाया गया था। यह सब जानने के बाद पुलिस ने उसे परीक्षा के बाद गिरफ्तार कर लिया। 4 जून को जब नीट परीक्षा का रिजल्ट आया तो पहली बार 67 ऐसे छात्र टॉपर बने, जिन्हें 720 में से 720 अंक मिले। इसके बाद नीट परीक्षा में धांधली का मुद्दा उठाया गया। इसके साथ ही अनुराग ने ये भी कहा कि इस सब में उसके फूफा ने सेटिंग करवाई थी और उसे कोटा से पटना बुलवाया लिया था। इस सब झमेले के बाद 13 जून को एनटीए ने फैसला लिया कि जिन छात्रों को ग्रेस मार्क्स दिए गए थे उनकी परीक्षा दोबारा आयोजित कराई जाएगी, लेकिन इस सबके बाद छात्रों का गुस्सा थमा नहीं है। बिहार और गुजरात से सामने आई पेपर लीक की खबरों से एनटीए की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े हो गए हैं, जिससे छात्र मामले में ष्टक्चढ्ढ जांच की मांग कर रहे हैं। पटना और पंचमहल से कई गिरफ्तारियां हुई हैं, जिनमें 13 लोग पटना से गिरफ्तार हुए हैं, जिनमें 4 छात्र शामिल हैं। पुलिस जांच में पता चला कि पेपर लीक हुआ था और गिरोह ने बच्चों को पास कराने के लिए लाखों रुपए वसूले थे। पंचमहल में भी छात्रों से लाखों रुपए वसूले गए और गिरोह ने सही जवाब भरकर ऑसर शीट जमा की।पुलिस की जांच पटना के जूनियर इंजीनियर सिकंदर प्रसाद यादवेंदु तक पहुंची। पूछताछ में पता चला कि उसकी भी परीक्षा धांधली में संलिप्तता थी। उसने अपने भतीजे अनुराग यादव के लिए गड़बड़ी में भूमिका निभाई थी। पुलिस ने अनुराग यादव से पूछताछ कर उसके इकबालिया बयान दर्ज किए हैं।

अमेरिका ने चीनी नागरिकों पर कसी नकेल, फ्लोरिडा में ग्रीन कार्ड बिना संपत्ति खरीद पर लगाया प्रतिबंध

न्यूयार्क- अमेरिकी राज्य फ्लोरिडा ने अमेरिकी ग्रीन कार्ड के बिना चीनी नागरिकों के राज्य में संपत्ति खरीदने पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून पर हस्ताक्षर किए हैं, जिससे वे इस कानून से नाराज हैं। यह कानून अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव वर्ष में दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच बढ़ते तनाव को रेखांकित करता है, इन नियमों ने राज्य में रहने वाले जातीय चीनी लोगों के बीच बेचैनी और भ्रम को बढ़ावा दिया है। कुछ लोगों का कहना है कि इस कानून ने उनके व्यवसायों को नुकसान पहुंचाया है, जबकि अन्य का कहना है कि वे फ्लोरिडा को पूरी तरह से छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। 31 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर बियान 12 साल से अमेरिका में रह रहा है और एच-1बी वीजा का प्राप्तकर्ता है। वह कंपनियों को विदेशी श्रमिकों को नियुक्त करने की अनुमति देता है, को बताया गया कि इस निर्णय से उसे जेल हो सकती है। बियान, जो मूल रूप से नानजिंग, चीन से हैं, ने कहा, यह मेरे लिए वास्तव में चौंकाने वाला था। यह सिर्फ संपत्ति खरीदना है। एक बार जब मुझे यह पता चला, तो मैंने और देखने की जहमत नहीं उठाई। 1 जुलाई, 2023 को फ्लोरिडा सीनेट बिल 264 के प्रभावी होने के बाद से, ग्रीन कार्ड के बिना चीनी नागरिकों पर राज्य में संपत्ति खरीदने पर एक गंभीर आरोप और संभावित जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है। ष्टह्वह्व की रिपोर्ट के अनुसार, विक्रेता और रियल एस्टेट एजेंट भी कानून के तहत उत्तरदायी पाए जा सकते हैं। बियान ने कहा कि उन्होंने हाल ही में फ्लोरिडा में अपने जीवन पर पुनर्विचार करना शुरू किया है, और वे अकेले नहीं हैं। कानून विशेष रूप से किसी भी व्यक्ति द्वारा अचल संपत्ति की खरीद या अधिग्रहण पर प्रतिबंध लगाता है जो चीन में रहता है और जो मेरिका का नागरिक या वैध स्थायी निवासी नहीं है। लेकिन निवासी शब्द कानून की भाषा में पूरी तरह से परिभाषित नहीं है।चीन में जन्मे और फ्लोरिडा एशियाई अमेरिकी न्याय गठबंधन के अध्यक्ष इको किंग ने कहा, हमें लगता है कि इस तरह के कानून के कारण हम बाकी सभी से अलग हैं। हमें लगता है कि हमारा स्वागत नहीं है। फ्लोरिडा के ऑरलैंडो में 47 वर्षीय एक छोटे व्यवसाय की मालिक सुसान ली, जिनके पास ग्रीन कार्ड है, ने कहा कि जब उन्हें इस बिल के बारे में पता चला तो उन्हें वास्तव में भेदभाव महसूस हुआ। बियान की तरह, ली भी कानून पारित होने के समय एक नया घर खोज रही थी। इस तथ्य के बावजूद कि वह अमेरिका की एक कानूनी निवासी है, उसके परिवार ने संभावित कानूनी जटिलताओं के डर से अपने आवास की खोज को रोकने का फैसला किया। एसबी 264 के तहत, रूस, ईरान, उत्तर कोरिया, क्यूबा, वेनेजुएला और सीरिया के नागरिकों को फ्लोरिडा में किसी भी सैन्य स्थापना या महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे की सुविधा के 10 मील के भीतर संपत्ति खरीदने से प्रतिबंधित किया गया है

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569